पटना ●सोमवार , 21 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः103 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पलनवा गन फैक्ट्री कांडः बारूद के ... 3 www. bordernewsmirror.com केसरीः चैप्टर 2 में अनन्या की... 7

इसरो का गजब प्रयोग, अजीब प्राणी को भेजेगा स्पेस

● एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला के साथ पहुंचेगा स्पेस, प्रजनन पर करेगा रिसर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक भारतीय एस्ट्रोनॉट अब अंतरिक्ष की दुनिया में नया इतिहास रचने वाला है और साथ ले जा रहा है अपने साथ एक ऐसा प्राणी, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस मिशन का नाम है ऐक्जिम-4 और भारत के शुभांशु शुक्ला इसमें उड़ान भरने जा रहे हैं। वह न सिर्फ स्पेस स्टेशन पर पहुंचेंगे बल्कि वहां रहेंगे, काम करेंगे, और सबसे खास बात कि

वो एक बेहद अजीब और टेढ़े-मेढ़े दिखने वाले सूक्ष्म जीव वोएजर टार्डीग्रेड्स को भी साथ ले जा रहे हैं। इसरो इस अजीब से जीव को स्पेस में क्यों भेज रहा है आइए जानते हैं। इसे वॉटर बीयर यानी 'पानी का भालू' या मॉस पिगलेट भी कहा जाता है। ये सूक्ष्म जीव इतने छोटे होते हैं कि बिना माइक्रोस्कोप के देखे नहीं जा सकते। लेकिन यह छोटा पैकेट बड़ा धमाका हैं। ये जीव किसी अजूबे से कम नहीं, इसे जल, बर्फ, आग, वैक्यूम, रेडिएशन, यहां तक कि स्पेस की सख्त स्थितियां भी नहीं मार पातीं। इनका शरीर आठ पैरों वाला होता है और उनके पंजों में नन्हें-नन्हें नुकीले नाखून होते हैं। इनके चलने का अंदाज ऐसा जैसे कोई प्यारा भालू धीरे-धीरे डग भर रहा हो। इस प्रयोग में शुक्ला स्पेस स्टेशन पर 14 दिन तक इन टार्डीग्रेड्स के साथ जीने वाले हैं।

भिखारियों ने कराई पाकिस्तान की दुनिया भर में बेइज्जती

● सऊदी ने 4700 को पकड़कर भेजा वापस, मंत्री बोले-2 करोड मांग रहे भीख

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने बताया है कि सऊदी अरब ने 4,700 से ज्यादा पाकिस्तान के भिखारियों को पकड़कर वापस भेजा है। ये लोग अलग-अलग वीजा पर सऊदी गए थे और वहां जाकर गैरकानूनी तरीके से भीख मांग रहे थे। इनको सऊदी पुलिस ने हिरासत में लिया और डिपोर्ट कर दिया। सियालकोट में पाकिस्तान रेडीमेड गारमेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोलते हुए आसिफ ने सऊदी में पाकिस्तानी भिखारियों से पकड़ जाने की यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह आंकड़ा कब से कब तक का है।

सांसद अमृतपाल पर एक साल और बढ़ा एनएसए

● 23 अप्रैल से होगा लागू, हाईकोर्ट में अपील की तैयारी

अमृतसर (एजेंसी)। खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। एनएसए बढ़ाए जाने को लेकर एक दस्तावेज सामने आया है। जिसके बाद यह साफ हो गया है कि अमृतपाल सिंह अब एक साल और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रहेंगे।

अमृतपाल सिंह ने 18 अप्रैल को इस पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। नया एनएसए 23 अप्रैल से लागू होगा। अगर इसकी अवधि तीसरी बार बढ़ाई जाती है तो परिवार पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि देश में सिखों के लिए अलग कानून चल रहा है। उन्होंने एनएसए बढ़ाए जाने को लोकतंत्र और खडूर साहिब के मतदाताओं के साथ विश्वासघात बताया। उनका कहना है कि अमृतपाल के जेल में होने के बावजूद राज्य में अपराध और हिंसा की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सरकार का माहौल खराब होने का तर्क गलत साबित होता है। परिवार का आरोप है कि उन्हें एनएसए बढ़ाए जाने की जानकारी नहीं दी गई है।

घाटी के रामबन में फटा बादल, भारी तबाही

● अब तक 3 लोगों की मौत, श्रीनगर हाईवे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटने से भारी तबाही हुई है, अब तक तीन लोगों की मौत की खबर है। इस समय श्रीनगर हाईवे को बंद कर दिया गया है, मौके पर रेस्क्यू जारी है। पिछले 24 घंटे से रामबन में तेज बारिश जारी है, पूरे क्षेत्र में ही अफरा-तफरी जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। इसके ऊपर लैंडस्लाइड की वजह से भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस समय लैंडस्लाइड की वजह से श्रीनगर हाईवे पर पत्थर गिरे हैं, काफी मलबा पड़ा है, ऐसे में इसे बंद कर दिया गया है। अचानक हाईवे बंद होने की वजह से एक लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिल रहा है, यात्री बीच सड़क में फंस परेशान हो चुके हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक क्योंकि बारिश रुक नहीं रही है, ऐसे में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। कई घरों में अभी से ही पानी घुस चुका है। बताया जा रहा है कि रामबन के ही बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं, इस वजह से किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद कर दिया गया है। इस समय लैंडस्लाइड के कई वीडियो भी वायरल चल रहे हैं। उन वीडियो में पहाड़ का मलबा सैलाब की तरह गिरता दिख रहा है, कई गाड़ियां दब चुकी हैं। इस समय सैंकड़ो होटल भी इस बाढ़, बादल फटने की वजह

से प्रभावित हुए हैं। चिंता की बात यह है कि जिस रामबन में बादल फटा है, वो पर्यटकों के लिए घूमने की पसंदीदा जगहों में से एक है, इस समय भी क्योंकि टूरिस्ट सीजन चल रहा है, ऐसे में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। बादल फटने के विज्ञान को समझने से पहले उसकी परिभाषा जान लेते हैं। मौसम विभाग कहता है कि अगर एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या उससे ज़्यादा बारिश छोटे इलाके में (एक से दस किलोमीटर) हो जाए तो उस घटना को बादल फटना माना जाएगा। यानी सिर्फ तेज बारिश या ज्यादा बारिश को बादल फटने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, उसके लिए तय मानदंड का पूरा होना जरूरी है।

कई बार एक साथ एक ही जगह पर एक से ज्यादा बादल फट जाते हैं, ऐसी स्थिति में त्रासदी का स्तर बढ जाता है। जानमाल के नुकसान उस परिस्थिति में भी अधिक होता है, जब तबाही नदी या झील के आस पास हो। ऐसे में वाटर बॉडी में अचानक इतना पानी भर जाता है कि आस-पास के रिहायशी इलाके डूबने लगते हैं। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे इलाकों में बादल फटने से अधिक नुकसान होता है।

बदल गए जज्बात...भारतीय बाजार में कूदे विदेशी निवेशक

तीन दिन में झोंके 15,000 करोड़ रुपए, झूम उठा शेयर बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी की है। कुछ हफ्तों तक किनारे रहने के बाद तीन दिन में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। लगातार नौ

● फाइनेंस, टेलीकॉम और एविएशन को होगा फायदा, मस्ती में बाजार

दिनों तक बिकवाली करने के बाद यह बदलाव बाजार के लिए एक बड़ा सहारा बन गया है। इसकी वजह से सेंसेक्स में सिर्फ तीन दिन में लगभग 3,400 अंकों की तेजी आई है। यह हाल के दिनों में सबसे तेज उछाल है। हालांकि इस की खरीदारी के बावजूद निवेशक अब भी अप्रैल में शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। महीने के लिए कुल आउटफ्लो अब भी 18,000 करोड़ रुपये से ऊपर है। लेकिन भारतीय इक्विटी में विदेशी निवेश कई साल के निचले स्तर पर आ गया था। इसलिए अगर बाजार का माहौल ठीक रहता है, तो यह कमी एक और खरीदारी की लहर पैदा कर सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार ने कहा कि निवेशकों की गतिविधि में यह बदलाव दो मुख्य कारणों से हुआ है। पहला, डॉलर इंडेक्स गिरकर लगभग 100 के स्तर पर आ गया है। डॉलर के और कमजोर होने की उम्मीद निवेशकों को अमेरिका से दूर भारत जैसे उभरते बाजारों की ओर धकेल रही है। दूसरा, अमेरिका और चीन दोनों की विकास दर इस साल कम रहने की संभावना है। वहीं, भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2026 में 6 फीसदी रहने की उम्मीद है। यह बेहतर प्रदर्शन भारत को वैश्विक पूंजी के लिए एक आकर्षक जगह बना सकता है। निवेशकों का ध्यान घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों जैसे कि फाइनेंस, टेलीकॉम, एविएशन, सीमेंट, कुछ ऑटो कंपनियों और हेल्थकेयर स्टॉक्स पर रहने की संभावना है। उभरते बाजारों के लिए निवेशकों की पसंद बेहतर होगी।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब नए मिशन पर कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी आगामी 25 अप्रैल से देश भर में 'संविधान बचाओ रैली' का आयोजन करने जा रही है। पार्टी के मुताबिक इन रैलियों का मकसद सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय से जुड़े अन्य मुद्दों को जनता के बीच पहुंचाना है। शनिवार को पार्टी के प्रमुख नेताओं, महासचिवों, प्रभारियों के साथ

कांग्रेस आलाकमान की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मीडिया से कहा है कि इस बैठक में अहमदाबाद में पारित प्रस्ताव 'न्याय पथ संकल्प, समर्पण, संघर्ष' पर चर्चा हुई। जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित करेगी।

नेशनल हेराल्ड मामले में खरगे ने भाजपा को घेरा

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपपत्र दाखिल किए जाने को साजिश का हिस्सा बताया है। खरगे ने हेराल्ड मामले का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेताओं से कहा, आपने गौर किया होगा कि कैसे बड़े षडयंत्र के तहत नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी जी और राहुल गांधी जी का नाम आरोप पत्र में डाल दिया गया है। पर किसी का भी नाम डाल दें हम डरनेवाले नहीं है। बैठक में खरगे ने पार्टी नेताओं से अहमदाबाद अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के संदेश को जिला, मंडल, ब्लाक और बूथ तक पहुंचाने की अपील की है।

भारत व फ्रांस के बीच 28 को होगा सबसे बड़ा सौदा

63 हजार करोड़ में 26 राफेल-मरीन विमानों की होगी खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फ्रांस के बीच 28 अप्रैल को अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होने वाला है। इसके तहत, भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-मरीन विमान खरीदे जाएंगे। डिफेंस सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि यह 63,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कॉन्ट्रैक्ट है, जिस पर दोनों पक्षों के सीनियर अधिकारी साइन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह इवेंट डिफेंस मिनिस्ट्री हेडक्वार्टर्स के साउथ ब्लॉक के बाहर आयोजित हो सकता है। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकॉर्नु रविवार शाम को भारत पहुंचेंगे और सोमवार देर रात वापस लौट जाएंगे। 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की मीटिंग हुई थी। इस दौरान, नई दिल्ली ने 26 राफेल-मरीन कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए डील को मंजूरी दी, जो सरकार-से-सरकार के बीच होने वाला समझौता है। इस करार में 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर विमान शामिल हैं। साथ में फ्लीट मेंटेनेंस, लॉजिस्टिक सपोर्ट, पर्सनल ट्रेनिंग और स्वदेशी कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग का पूरा पैकेज भी होगा। ये फाइटर जेट आईएमएस विक्रांत से ऑपरेट करेंगे और मौजूदा मिग-29 के फ्लीट को सपोर्ट करेंगे। भारतीय वायुसेना के पास पहले से 2016 में साइन किए गए एक अलग सौदे के तहत 36 राफेल विमान हैं, जो अंबाला और हाशिमारा बेस से ऑपरेट होते हैं। 26 राफेल-मरीन की इस डील से भारत में राफेल विमानों की कुल संख्या 62 हो जाएगी। इस तरह, भारतीय हथियारों में 4.5-प्लस जेनरेशन के विमानों की तादाद बढ़ेगी। भारतीय वायुसेना जल्द ही मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए नया टेंडर जारी करेगी।

'दिल्ली को लंदन-पेरिस जैसी नहीं, इंद्रप्रस्थ बनाएंगे

● रेखा के मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा बयान, कहा-युधिष्ठिर की राजधानी बनाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि हम दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा नहीं करते हैं। हम देश की राजधानी दिल्ली को युधिष्ठिर की राजधानी जैसी थी, वैसी बनाने का वादा करते हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 1111 जीपीएस सिस्टम से लैस

पानी के टैंकरों को रविवार को बुराड़ी स्थित संत निरंकारी मैदान से रवाना करते हुए मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि आज जो आप देख रहे हैं, वह हमारी सरकार के सुशासन और पारदर्शिता मॉडल का परिणाम है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह टैंकर पहले भी चलते थे लेकिन अब टैंकर को ट्रैक भी किया जा सकेगा। पहले टैंकर माफिया शब्द चलता था हमने इसको दिल्ली जल बोर्ड आईटी डैशबोर्ड से जोड़ दिया है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली में गर्मी के मौसम में पानी की मांग काफी बढ़ जाती है। पिछले 10 साल की 'आपदा' की सरकार और 10 हफ्ते की रेखा सरकार आज दिखा रही है कि क्या हो सकता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा

बाप-बेटे की हत्या मामले में अब चौथी गिरफ्तारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक बाप-बेटे की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह मामले में चौथी गिरफ्तारी हैं। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। आरोपी 12 अप्रैल से फरार था। शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल और विशेष जांच दल ने शनिवार को उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, यह व्यक्ति मुख्य आरोपियों में से एक है, जिसने मृतक के घर तोड़फोड़ करने के लिए भीड़ को उकसाया था और 12 अप्रैल को हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और शेख के मोबाइल फोन लोकेशन से उसका पता लगाया। इससे पहले पुलिस ने दो भाइयों कालू नादर और दिलदार साथ ही एक अन्य आरोपी इंजामुल हक को गिरफ्तार किया था।

राज्यपाल ने पीड़ितों को फोन नंबर उपलब्ध कराया

17 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट ने हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने के आदेश सुरक्षित रख लिया। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे। जिसके बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 19 अप्रैल को मुर्शिदाबाद का दौरा किया था। राज्यपाल हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार से भी मिले।

'सुप्रीम' विरोध, निशिकांत दुबे की बढ़ गई मुश्किलें

● अवमानना की कार्रवाई के लिए वकील ने लिखा लेटर ● तनवीर ने बीजेपी नेता के बयान को बताया भड़काऊ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना पर विवादित टिप्पणी करके फंसे बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वक्फ अधिनियम मामले में एक वादी का प्रतिनिधित्व करने वाले सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण को लेटर लिखकर निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की सहमति मांगी है। दुबे ने कहा था कि इस देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। अटॉर्नी जनरल को लिखे अपने लेटर में वकील अनस तनवीर ने कहा कि दुबे की टिप्पणी बेहद अपमानजनक और खतरनाक रूप से भड़काऊ है। लेटर में कहा गया, मैं यह लेटर कोर्ट की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15(1)(बी) के तहत, सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना के लिए कार्रवाई को विनियमित करने के नियम, 1975 के नियम 3(सी) के साथ लिखकर झारखंड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से माननीय लोकसभा सदस्य

निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए आपकी विनम्र सहमति मांग रहा हूं, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से ऐसे बयान दिए हैं जो बेहद निंदनीय, भ्रामक हैं और जिनका उद्देश्य भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गरिमा और अधिकार को कम करना है। दुबे की यह टिप्पणी केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट को दिए गए आश्वासन के बाद आई है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों को सुनवाई के अगले दिन तक लागू नहीं करेगी, क्योंकि न्यायालय ने उन पर सवाल उठाए हैं। बीजेपी ने शनिवार को दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट की आलोचना से खुद को अलग कर लिया और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को उनका निजी विचार बताया। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा का उसके सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा की न्यायपालिका और प्रधान न्यायाधीश पर की गई टिप्पणियों से कोई लेना-देना नहीं है। ये उनकी निजी टिप्पणियां हैं, लेकिन भाजपा न तो उनसे सहमत है और न ही ऐसी टिप्पणियों का समर्थन करती है।

निगम की खाली जमीनों पर पीपीपी मोड में बनेंगे मार्केट-दुकान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर निगम की खाली जमीनों पर पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में मार्केट, दुकान/स्टॉल या कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। इसको लेकर लैंड पॉलिसी के लिए आरएफपी बनाया जाएगा। इस परियोजना को शनिवार को नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में स्वीकृति दे दी है।

मेयर निर्मला साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि इसके लिए पहले निगम के खाली भूभाग को चिह्नित कर उसे सूचीबद्ध किया जाएगा। इस दौरान अतिक्रमित स्थलों से अतिक्रमणकारियों को हटा कर जगह खाली कराई जाएगी। फिर प्रावधान के अनुसार तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित स्थलों पर दुकान आदि बनाने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। वर्तमान में निगम के कई खाली प्लॉट पर अवैध तरीके से मकान, दुकान, सब्जी बाजार आदि चल रहे हैं।

मई के पहले सप्ताह में लक्ष्मी चौक व मोतीझील पुल पर आइकॉनिक स्ट्रक्चर बनाने का काम शुरू होगा। लक्ष्मी चौक पर लीची और मोतीझील पुल के टी प्वाइंट पर बाबा गरीबनाथ से जुड़े बरगद के पेड़ की आकृति बनेगी। इस काम के एक माह के अंदर ही पूरा होने की उम्मीद है। इससे जुड़ी योजना पहले ही पास हो चुकी है। बैठक में नगर आयुक्त विक्रम विरकर, समिति के सदस्य राजीव पंकू, केपी पप्पू, अमित रंजन, अभिमन्यु चौहान, कन्हैया गुप्ता, उमाशंकर पासवान, सुरभि शिखा, उप नगर आयुक्त सोनू कुमार राय व अन्य अधिकारी शामिल हुए।

चौराहे पर खराब पड़े वाटर फाउंटेन फिर से होंगे चालू

विभिन्न कारणों से शहर के मिठनपुरा चौक, बैरिया गोलंबर व कुछ अन्य चौराहे पर खराब/मृतप्राय वाटर फाउंटेन को फिर से चालू किया जाएगा। इसको लेकर सशक्त स्थायी समिति ने छह फाउंटेन के मरम्मत कराने को लेकर सहमति दे दी है। निगम के मुताबिक कई जगहों पर फाउंटेन से जुड़े मोटर व अन्य पार्टस आदि खराब होने के अलावा चोरी भी हो गए हैं।

खुले में मीट-मछली की विक्री रोकने को पुलिस की मदद लेगा निगम :

शहर में खुले में हो रही मीट-मछली की विक्री रोकने के लिए निगम ने पुलिस की मदद लेने का निर्णय है। तय हुआ कि इस संबंध में एसएसपी के बात की जाएगी। दुकानों पर होने वाली कार्रवाई को संबंधित थाने की स्टेशन डायरी में भी दर्ज किया जाएगा ताकि भविष्य में संबंधित दुकानों द्वारा प्रावधानों का पालन किया जा सके।

निर्माण स्थल पर नक्शा का फ्लैक्स व ग्रीन कवर लगाना अनिवार्य :

सरकारी, निजी या व्यावसायिक भवन के निर्माण से जुड़े कार्यस्थल पर ग्रीन कवर लगाने के साथ ही वहां संबंधित स्वीकृत नक्शा का फ्लैक्स/बैनर भी लगाना होगा। ऐसा नहीं होने पर जुर्माना व अन्य कार्रवाई हो सकती है। दरअसल, एनजीटी के निर्देश या बिल्डिंग बायलॉज में प्रावधान होने के बावजूद निर्माण कार्य के दौरान उसका पालन नहीं किए जाने से धूल, मलबा आदि के कारण प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है।

संग्रहालय के रूप में संरक्षित होगा निगम का ऐतिहासिक भवन

मुजफ्फरपुर। नगर निगम के ऐतिहासिक भवन को संग्रहालय के रूप में संरक्षित किया जाएगा। इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी सशक्त स्थायी समिति की बैठक में मुहर लगाई गई। निगम का वर्तमान प्रशासनिक भवन करीब 89 साल पुराना है। अंग्रेजों के जमाने में वर्ष 1936 में बनकर तैयार हुआ यह भवन अंग्रेजी के अक्षर 'यू ( ) के शेप में है। बैठक में तय हुआ कि भवन के मूल स्वरूप को बरकरार रखा जाएगा। साथ ही जर्जर हो चुके भवन को मजबूत बनाया जाएगा। इसमें अतीत से अब तक के निगम के इतिहास को सहेजने के साथ ही संवारा जाएगा। इसके अलावा परिसर स्थित बाकी भूभाग पर नए भवन का निर्माण होगा। आने वाले समय में निगम के क्षेत्राधिकार के विस्तार के बाद प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए कार्यालय भवन की आवश्कता होगी। इसके अलावा पहले से कंपनीबाग में आईसीसीसी भवन के पास निगम की खाली जमीन पर निगम के चार मंजिले प्रशासनिक भवन के निर्माण की योजना पास होने के साथ ही अगस्त 2023 में भूमि पूजन भी हो चुका है।

पार्षद, चेयरमैन से लेकर मेयर तक की बनेगी डायरेक्ट्री, एजेंसी का होगा चयन

संग्रहालय में मुजफ्फरपुर नगरपालिका से लेकर नगर निगम से जुड़े सभी वार्ड पार्षद, चेयरमैन, मेयर, डिप्टी मेयर के नाम से जुड़ी विशेष डायरेक्ट्री को रखा जाएगा। इसमें फोटो, कार्यकाल व अन्य पहलुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दर्ज होगी। निगम की रिकॉर्ड के अलावा संबंधित लोगों के परिजनों से जानकारी, फोटो आदि हासिल किए जाएंगे। इसे बनाने के लिए निगम द्वारा एजेंसी का चयन किया जाएगा। डायरेक्ट्री का लोकार्पण मेयर निर्मला साहू के द्वारा किया जाएगा।

1864 में मुजफ्फरपुर बना था नगर पालिका

अंग्रेजों के जमाने में 1864 में मुजफ्फरपुर नगर पालिका बना था। आजादी के बाद नगर पालिका के पहले चैयरमैन स्व. श्याम नंदन सहाय बने थे। उनके बाद स्व. डॉ. मगफूर अहमद एजाजी और तीसरे चेयरमैन स्व. रघुनाथ पांडेय बने थे। मुजफ्फरपुर नगर पालिका को 1981 में नगर निगम में अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2002 में गठित पहले निर्वाचित निकाय के मेयर समीर कुमार बने थे। बीते 29 मार्च को हुई निगम बोर्ड की बैठक में वार्ड पार्षद संजय केजरीवाल ने नगर पालिका के प्रथम तीन चैयरमैन की प्रतिमा चौराहे पर लगाने की मांग की थी। ऐतिहासिक धरोहर निगम भवन को संग्रहालय की तरह संरक्षित किया जाएगा। परिसर की शेष जमीन पर नया भवन बनेगा। भवनों के निर्माण स्थल पर ग्रीन कवर या नक्शा का फ्लैक्स नहीं होने पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। निगम के स्तर से इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। समिति की बैठक में बीते वित्तीय वर्ष के आय-व्यय की भी समीक्षा की गई।

बेगूसराय में बदमाशों ने युवक को मारी गोली:पैर में गोली मारने की बाद भी की पिटाई

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में बेखौफ बदमाशों ने शनिवार रात एक युवक को गोली मारी दी। इसके बाद बदमाशों ने घायल युवक के साथ जमकर मारपीट किया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बलिया थाना क्षेत्र के आंबेडकर नगर नूरजमापुर की है। घायल युवक को इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान नूरजमापुर पंचायत के वार्ड नंबर-1 डॉ. आंबेडकर नगर निवासी राम प्रवेश पासवान के बेटे सोनू कुमार (25) के रूप में की गई है। सोनू के पैर में गोली लगी हुई है। घटना के संबंध में घायल और उसके परिजनों का कहना था कि हम लोगों ने 13 अप्रैल को गांव में बाबा चौहरमल का मेला लगाया था। मेले में गांव के ही सूरज कुमार सहित कुल अन्य दबंगई दिखाने के लिए हंगामा कर रहे थे। वह लोग कहते थे कि तुम जाति विशेष का मेला क्यों लगाए हो ? मेले में बाधा डालने के लिए उन लोगों ने चार-पांच राउंड फायरिंग की थी, जिसके खिलाफ सोनू ने थाने में आवेदन दिया। पुलिस अभी मामले की जांच पड़ताल कर ही रही थी।

बेहोशी की हालत में पड़ा था सोनू

इसी बीच रात में सोनू जब अपने घर से दुकान के लिए निकला तो बदमाशों ने पहले उसके दाएं पैर में गोली मार दी गई। उसके बाद बदमाशों ने लाठी-डंडे और रॉड से पीट-पीटकर बेहोश कर दिया। घायल के भाई का कहना है कि जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे तो सोनू सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा था और बदमाश हथियार दिखा रहे थे। हम लोगों ने किसी तरह से भाई को वहां से उठा कर लाए। आरोपी दबंग हैं और बराबर ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव के लोगों और चौहरमल मेला लगाने वालों में काफी आक्रोश है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंच कर जानकारी ली। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

25 हजार का इनामी सहित आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

21 साल से चल रहे थे फरार, गुप्त सूचना पर पुलिस ने दबोचा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के चरपोखरी थाने की पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी समेत दो को धर दबोचा। गिरफ्तारी पीरो के हसन बाजार थाना क्षेत्र के सुखरौली क्षेत्र से हो सकी। पकड़े गए सदस्यों में चरपोखरी थाने के धनौती गांव निवासी बंशीधर ठाकुर और धनपती ठाकुर शामिल हैं। दोनों रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। पुलिस के अनुसार 21 साल पुराने मामले में दोनों की तलाश थी। कोर्ट से वारंट निर्गत था।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने दबोचा

इस बीच गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीरो के हसन बाजार थाना क्षेत्र के सुखरौली क्षेत्र छापेमारी कर दोनों वांछित पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष के अनुसार इसमें बंशीधर ठाकुर पर पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस से बचने के लिए अपने रिश्तेदार के यहां छिपा हुआ था। मालूम हो कि वर्ष 2004 में चरपोखरी थाना के धनौती गांव में हत्या की घटना घटित हुई थी, जिसे लेकर संबंधित थाना में प्राथमिकी कराई गई थी। इस दौरान कोर्ट में उपस्थित नहीं होने को लेकर दोनों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट निर्गत था।

63 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार

एसपी राज के आदेश पर पूरे जिले में विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। एसपी राज के निर्देश पर चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में कुल 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी एसपी राज ने प्रेस बयान जारी कर दी है। इसमें एक हत्या, एक लूट, 17 हत्या के प्रयास एवं 44 अन्य मामलों के आरोपित हत्थे चढ़े है। इसके अलावा पुलिस ने इस अभियान के दौरान एक अवैध हथियार भी बरामद किया है।

नौतन में खड़े ट्रक से टकराया तेज रफ्तार ट्रक:चालक का पैर टूटा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया के जगदीशपुर-गोपालगंज मुख्य मार्ग पर शनिवार रात बड़ा हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल एक ट्रक चालक का पैर टूट गया, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ंत

बैरापरसौनी के पास रात करीब दो बजे जगदीशपुर से आ रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि खड़े ट्रक का चालक केबिन में फंसा हुआ था। ग्रामीणों ने तुरंत चालक को बाहर निकाला। दुर्घटना में चालक का पैर टूट गया था।

घायल बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज रेफर : स्थानीय लोगों ने घायल चालक को तत्काल नौतन पीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। नौतन थाना के थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रक ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मारी थी। घायल चालक का बेतिया जीएमसीएच में इलाज जारी है।

पूर्णिया में बाइक चोरी का सीसीटीवी फुटेज: 1 मिनट में दुकान के आगे लगी बाइक को ले उड़ा चोर

मास्टर-की से तोड़ा लॉक

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में दुकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। बाइक, दुकान के बाहर के कैंपस में लगी थी। इसी बीच कुछ देर रेकी करने के बाद एक शातिर चोर मौका पाकर बाइक के पास पहुंचा। चोर ने महज 1 मिनट में दुकान के आगे लगी बाइक की चोरी कर ली। वहीं बाइक चोर की करतूत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना को लेकर पीड़ित ने स्थानीय थाने में पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

घटना सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग इलाके की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक दुकान के बाहर ब्लू रंग की बाइक लगी है। सीसीटीवी फुटेज में ब्लैक शर्ट, ब्लैक टोपी और ब्लैक पैंट पहने लड़के को बाइक की रेकी करते देखा जा सकता है। शातिर चोर बाहर खड़े होकर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता है। मौका मिलते ही वो बाइक के पास आता है और पलक झपकते ही मास्टर-की से बाइक का लॉक तोड़ चंद सेकेंड में बाइक ले उड़ता है। शातिर चोर ने इस पूरी वारदात को महज 1 मिनट के भीतर अंजाम दिया।

पीड़ित ने थाने में की शिकायत

घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित ने बताया कि रोजाना की तरह रात होने पर वो दुकान कर शटर गिराकर जरूरी काम से बाहर पास के ही मार्केट गए थे। लौटने पर दुकान के बाहर बाइक को खड़ी न पाकर वो अचंभित रह गए। आसपास के लोगों को उन्होंने बाइक चोरी होने की बात बताई।

इसके बाद दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया, जिसमें बाइक चोरी की पूरी वारदात कैद थी। सीसीटीवी फुटेज में ये शख्स बाइक चोरी कर भागता हुआ दिखाई दिया। वहीं बाइक चोरी की इस घटना का सीसीटीवी फुटेज और आवेदन देकर पुलिस को मामले की शिकायत की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चोर इस इलाके में लगातार बाइक चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। वहीं लिखित शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बाइक चोरों की धर पकड़ में जुट गई है।

भोजपुर में ट्रैक्टर से 3312 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद,उत्तर प्रदेश से गुप्त तहखाने में छिपाकर ला रहे थे शराब, उत्पाद विभाग की टीम ने पकड़ा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने ट्रैक्टर से लाई जा रही 7 लाख की अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त करने में सफलता हासिल की है। टीम को यह सफलता बक्सर-पटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर ओवर ब्रिज के समीप से बरामद हुई है। ट्रैक्टर से 3312 बोतल करीब 596.160 लीटर विदेशी शराब बरामद की है, जिसकी बाजार में कीमत सात लाख की बताई जा रही है। उत्पाद विभाग ने एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर भोजपुर जिला के खवासपुर थाना क्षेत्र के हजारी के टोला गांव निवासी ब्रिज बिहारी यादव के पुत्र भीरगुनाथ यादव है। इसके पास से एक एक ट्रैक्टर

बरामद किया गया है। तस्करों ने ट्रैक्टर बिना नंबर के आ रहे थे।

वाहन चेकिंग के दौरान मिली सफलता

बताया जाता है कि ट्रैक्टर में बने गुप्त तहखाने के नीचे से बने बॉक्स के अंदर बड़े ही शातिर तरीके से धंधेबाज अंग्रेजी शराब को छुपाकर उत्तर प्रदेश से भोजपुर की ओर लेकर जा रहे थे। इसके बाद सहायक आयुक्त रजनीश के द्वारा अवर निरीक्षक रवि कुमार एवं सहायक अवर निरीक्षक रविन्द्र यादव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इधर जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त रजनीश ने बताया उत्पाद विभाग की टीम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रैक्टर से भारी मात्रा में विदेशी शराब पटना-बक्सर फोरलेन से भोजपुर की ओर आ रहा है। इसके बाद टीम ने बक्सर-पटना फोरलेन दौलतपुर ओवरब्रिज के समीप वाहन चेकिंग के दौरान विदेशी शराब को बरामद किया गया।

गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग की टीम में अवर निरीक्षक रवि कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रविंद्र कुमार यादव एवं गृहरक्षक के साथ सैप के जवान मौजूद थे।

बिहार के 12 लाख से ज्यादा मनरेगा मजदूरों को राहत

जल्द मिलेगा बकाया वेतन, केंद्र ने जारी किए 2102 करोड़

पटना, एजेंसी। बिहार के मनरेगा श्रमिकों को पिछले चार महीने के बकाया मजदूरी के भुगतान को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार को 2102 करोड़ 24 लाख 76 हजार रुपये जारी कर दिया है। इससे बिहार के 12 लाख से अधिक श्रमिकों के बकाया मजदूरी का भुगतान होगा। राशि के आभाव में 27 दिसंबर, 2024 के बाद से ही भुगतान बंद था। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि राशि जारी होने के साथ ही श्रमिकों के खाते में भुगतान भी शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि पिछले करीब चार महीने से मनरेगा के तहत श्रमिक काम तो कर रहे थे, पर उन्हें मजदूरी नहीं मिल पा रही थी। इससे श्रमिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। केंद्र से राशि जारी होने से इन श्रमिकों को राहत मिली है। राज्य सरकार की ओर से इनकी बकाया मजदूरी के भुगतान के लिए केंद्र सरकार से कई बार आग्रह भी किया गया था। अब हर श्रमिक को औसतन 17 हजार के करीब मजदूरी मद में मिल पाएगा। मालूम हो कि मनरेगा के श्रमिकों की एक दिन की मजदूरी 245 रुपये है। मनरेगा के तहत साल में अधिकतम सौ दिनों का काम एक श्रमिक को दिया जाता है। 2102 करोड़ में अनुसूचित जाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 411 करोड़ 47 लाख, अनुसूचित जनजाति वर्ग के श्रमिकों के लिए 43 करोड़ और अन्य वर्ग के श्रमिकों के 1646 करोड़ 88 लाख रुपये का भुगतान होगा।

2025-26 में 21 करोड़ मानव दिवस स्वीकृत : केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिहार को 21 करोड़ मानव दिवस का बजट स्वीकृत किया

गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17 करोड़ मानव दिवस की स्वीकृति मिली थी। वहीं, इसके विरुद्ध 25 करोड़ पांच लाख दिनों का काम (मानव दिवस) राज्य के श्रमिकों को दिया गया है। इस तरह 2024-25 में लक्ष्य के विरुद्ध 147 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई। कुल श्रमिकों में महिलाओं की भागीदारी 55.11 प्रतिशत रही। वहीं, अनुसूचित जाति-जनजाति का प्रतिशत 21.72 प्रतिशत रहा। इस दौरान कुल 12.74 लाख योजनाओं पर कार्य किया गया है। इनमें चार लाख 60 हजार कार्यों को पूरा कर लिया गया है। इस दौरान मनरेगा के तहत कुल 8489.75 करोड़ खर्च हुआ। इसमें सामग्री मद में 2157.78 करोड़ और प्रशासनिक मद में 390 करोड़ 44 लाख खर्च हुआ। वहीं, अकुशल मजदूरी में 5941 करोड़ रुपये खर्च हुए।

3000 करोड़ अब भी बकाया

मनरेगा के सामग्री मद में करीब 3000 करोड़ अभी भी केन्द्र सरकार पर बिहार का बकाया है। सामग्री मद में राशि का भुगतान लंबित रहने से आधारभूत संरचना के विकास के कार्य बाधित हो रहे हैं। विभाग ने इसको लेकर भी केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि यह राशि भी शीघ्र जारी की जाये।

बिहटा में युवक ने की खुदकुशी:पत्नी की मौत के बाद सदमे में था

घरेलू विवाद में 21 दिन पहले फांसी लगाकर दी थी जान

पटना, एजेंसी। पटना जिले के बिहटा में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना राघोपुर गांव की है। परिजनों ने बताया कि मृतक मोहम्मद जावेद उर्फ रिंकू की पत्नी ने 30 मार्च को सुसाइड कर लिया था। जिस कमरे में उसने फांसी लगाई थी, उसे कमरे में जावेद ने भी अपनी जान दे दी। 4 साल पहले शादी हुई है। 2 साल की एक बेटी भी है। पति-पत्नी के बीच कुछ महीनों से विवाद चल रहा था। दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। पत्नी की मौत के बाद से ही जावेद परेशान था। हमेशा कमरे में ही बंद रहता था। किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया

बिहटा थाना प्रभारी कृष्णा कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। जांच के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। 30 मार्च को युवक की पत्नी ने भी खुदकुशी कर ली थी। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

करंट लगने से विदेशी राम की दर्दनाक मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बीएनएम। अरेराज (गोविंदगंज)। अरेराज प्रखंड के रढ़िया पंचायत में रविवार को करंट लगने की एक हृदयविदारक घटना में स्थानीय निवासी विदेशी राम की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न सिर्फ उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया है, बल्कि पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना उस समय घटी जब विदेशी राम जी किसी कार्यवश घर के बाहर थे। तभी बिजली के करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना गोविंदगंज थाना पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लापरवाही का आरोप, जांच की मांग- परिजनों और ग्रामीणों ने इस दुर्घटना के लिए बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि समय रहते विभाग द्वारा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती तो यह हादसा टल सकता था। लोगों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह दुर्घटना किसी तकनीकी खामी या विभागीय लापरवाही का परिणाम थी।

पंचायत प्रतिनिधियों ने जताया शोक- घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रामबाबू मिश्रा पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि "यह समय पूरे पंचायत के लिए अत्यंत दुखद है। पंचायत इस कठिन घड़ी में परिवार के साथ है और प्रशासन से भी मुआवजा दिलाने के लिए प्रयास करेगी।"

वायरल वीडियो में रिश्वत लेते पकड़े गए आवास सहायक, सेवा समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी। चिरैया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज बाराजयराम के ग्रामीण आवास सहायक भारत भूषण प्रसाद की सेवा उप विकास आयुक्त सम्भु शरण पाण्डेय द्वारा समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई एक वायरल वीडियो के आधार पर की गई है, जिसमें वह एक लाभुक से रिश्वत की मोटी रकम लेते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि बॉर्डर न्यूज़ मिरर नही करती है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला विकास अभिकरण, पूर्वी चंपारण ने श्री प्रसाद से स्पष्टीकरण मांगा था। लेकिन उनके द्वारा दिए गए उत्तर में वायरल वीडियो के संदर्भ में कोई संतोषजनक तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने जान बूझकर सच्चाई छुपाने की कोशिश की। प्रखंड विकास पदाधिकारी चिरैया रामनाथ कुमार ने भी इस वीडियो की पुष्टि करते हुए बताया कि इसमें दिख रहे व्यक्ति आवास सहायक भारत भूषण प्रसाद ही हैं। उन्होंने मामले को गंभीर बताते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। उप विकास आयुक्त श्री पाण्डेय ने पूरे प्रकरण की समीक्षा के बाद, विभागीय नियमों एवं प्रावधानों के तहत श्री प्रसाद का अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। साथ ही, उन्हें यह निर्देश भी दिया गया है कि यदि वे चाहें तो 30 दिनों के भीतर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के समक्ष अपील दाखिल कर सकते हैं।

राजनैतिक षड्यंत्र के तहत लोहार को मूल जाति से अलग कर दूसरी जाति बनाया गया

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर की गई चर्चा

बीएनएम। मोतिहारी। आदिवासी लोहार संघ की आवश्यक बैठक रविवार को शहर के रघुनाथपुर स्थित राजकिशोर ठाकुर के आवास पर आयोजित की गई। बैठक के दौरान अगामी विधान सभा चुनाव में लोहार समाज की भागीदारी व भूमिका, समाज की सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक व आर्थिक उन्नति सहित संगठन मजबूती पर चर्चा की गई। संबोधित करते हुए संघ के संरक्षक राजकिशोर ठाकुर ने कहा कि समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए हमें संगठित होना होगा। संगठित रहते हुए अपने नये पीढ़ी को बेहतर शैक्षणिक माहौल में ढालिये। ताकि भविष्य बेहतर हो। उन्होंने कहा कि अपने अधिकार के लिए शिक्षित होना होगा। शिक्षा के माध्यम से हम अपने खोये हुए अधिकार को पाने में सफल हो सकते हैं। वहीं अध्यक्षता करते हुए संघ के जिलाध्यक्ष शिवशंकर ठाकुर ने कहा कि राजनैतिक षड्यंत्र के तहत हमें मूल जाति से अलग कर दूसरी जाति बनाया गया है। यह खेद का विषय है। सरकार को राज्य की लोहार जाति की समस्या को सुन उस पर विचार करने की जरूरत है। बैठक को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। संचालन डॉ चंदेश्वर ठाकुर ने किया। इस अवसर पर पूर्व मुखिया दीपक ठाकुर, रामउदय कुमार, कृष्णा ठाकुर, आलोक कुमार शर्मा, विजय ठाकुर, रामप्रवेश शर्मा, रामचंद्र शर्मा आर्य, सकलदेव शर्मा, जगरनाथ ठाकुर, रामतपस्या शर्मा, साहबलाल ठाकुर, राजनारायण शर्मा, कैलाश ठाकुर, ललन शर्मा, अशोक शर्मा, पारस ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

मुजाहिद आलम के इस्तीफे के बाद भी किशनगंज में जदयू कमजोर नहीं: प्रो. बुलंद अख्तर हासमी

बीएनएम। किशनगंज। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कद्दावर नेता, जिलाध्यक्ष एवं कोचाधामन के लोकप्रिय पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के इस्तीफे के बाद जिले की सियासत में हलचल मच गई है। हालांकि जदयू के वरिष्ठ नेता प्रो. बुलंद अख्तर हासमी ने साफ कहा है कि मुजाहिद आलम के पार्टी छोड़ने से जदयू कमजोर नहीं हुई है। प्रो. हासमी ने कहा कि पार्टी के अधिकांश प्रखंड अध्यक्ष और प्रमुख नेता संगठन के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी की जिला इकाई को लेकर प्रदेश नेतृत्व से बातचीत हो चुकी है और आगे की रणनीति पर दिशा-निर्देश का इंतजार है। उन्होंने भरोसा जताया कि जिले में जदयू की स्थिति को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के इस्तीफे की वजह पर बोलते हुए प्रो. हासमी ने बताया कि वे वक्फ संशोधन बिल के विरोध में पार्टी से नाराज चल रहे थे। उन्हें लगा कि पार्टी उनकी बातों को नजरअंदाज कर रही है, इसी वजह से उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया। इधर पार्टी कार्यालय प्रभारी रियाज अहमद ने भी कहा कि संभवतः मुजाहिद आलम ने अपने समर्थकों के दबाव में आकर इस्तीफा दिया है, जबकि पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता जैसे नौसाद आलम, फिरोज अंजुम और प्रो. बुलंद अख्तर हासमी अभी भी संगठन के साथ मजबूती से डटे हुए हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता कमाल अंजूम ने मुजाहिद के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "वृक्ष की एक डाली टूट जाने से पूरा वृक्ष नहीं गिरता।" उन्होंने इसे एक भावनात्मक फैसला बताया। जदयू के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन संगठन इसे एकजुटता के साथ पार करने की तैयारी में जुटा है।

जोगबनी से आनंद विहार के बीच समर स्पेशल ट्रेन 24 अप्रैल से

बीएनएम। कटिहार। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए जोगबनी से आनंदविहार के बीच एक जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन कटिहार के रास्ते चलेगी और 12 ट्रिप के लिए साप्ताहिक रूप में निर्धारित स्टेशनों पर रुकेगी। कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम धीरज चंद कलिता ने रविवार शाम बताया कि ट्रेन नंबर 04094/93 स्पेशल ट्रेन आनंदविहार से प्रत्येक गुरुवार को 24 अप्रैल से 10 जुलाई तक चलेगी, जबकि जोगबनी से प्रत्येक शनिवार को 26 अप्रैल से 12 जुलाई तक चलेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी ट्रेन यात्रा शुरू करने से पहले विवरण की जांच कर लें। समर स्पेशल ट्रेन के मार्ग, ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और अन्य प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है, जिसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस ट्रेन के चलने से सीमांचल के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया है, जिससे यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और सफर सुगम बनेगा।

सीधी बात

गन फैक्ट्री कांड: बारूद के ढेर पर जी रहा था शहर, सुरक्षा एजेंसियो पर सवाल

सागर सूरज

एडिटर इन चीफ

"भारत-नेपाल की खुली सीमा से सटे क्षेत्र में हथियार फैक्ट्री का वर्षों तक चलना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सीमा सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियां और अन्य तैनात इकाइयां इस फैक्ट्री की भनक तक नहीं ले सकी।"

भारत-नेपाल सीमा से सटे रक्सौल अनुमंडल के पलनवा क्षेत्र में संचालित अवैध गन फैक्ट्री और रक्सौल के कोइरिया टोला में संचालित एक फर्जी नेटवर्किंग कंपनी द्वारा नौकरी के नाम हजारों नबालिकों का शोषण, जैसी दो बड़ी घटनाएं का उद्भेदन एक ओर मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात की बेहतर कार्य शैली को दर्शाती है, वही लंबे समय से संचालित इन दोनों ही अवैध धंधे को लेकर अनुमंडल पुलिस की जड़ता, निष्क्रियता और कर्तव्यहीनता भी सवालों में है।

सवाल ये है कि प्रशासन के नाक के नीचे लम्बे समय से खतरनाक हथियारों के निर्माण और डीबीआर वेन मेकर नामक आयुर्वेदिक दवाओं की कथित नेटवर्किंग कंपनी द्वारा जहां नाबालिक लड़कियों और बच्चों के शारीरिक और आर्थिक शोषण के आरोप लगे थे, के संरक्षक कौन थे?

इसकी जानकारी स्थानीय अधिकारियों को नहीं थी या उन्हीं के संरक्षण में ये कारोबार पल्लवित और पुष्पित हो रहे थे। सीमा क्षेत्र के अधिकारियों की इंटेलीजेंस इतनी कमजोर कैसे हो सकती है और अगर कमजोर है तो ऐसे अधिकारी इतने संवेदनशील अंतराष्ट्रीय बॉर्डर पर क्या कर रहे है।

क्या इन अवैध धंधों के संचालकों के साथ इन अधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए? जैसे सवाल फिजाओं में तैर रहे है।

सनद रहे कि अवैध हथियार फैक्ट्री का उद्भेदन प्रशासन की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, लेकिन इसके साथ ही यह सुरक्षा एजेंसियों की विफलता का भी आईना है। वर्षों से मुर्गी फार्म की आड़ में चल रही इस फैक्ट्री में जब पुलिस की टीम पहुंची, तो वहां आधुनिक हथियारों का जखीरा और हथियार निर्माण की पूरी व्यवस्था देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

यह कोई सामान्य कार्रवाई नहीं थी। एक गुप्त सूचना पर मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर 12 घंटे चले ऑपरेशन में इस फैक्ट्री से कार्बाइन, पिस्टल, देशी सिक्सर, सैकड़ों कारतूस, अर्धनिर्मित हथियार और निर्माण में प्रयुक्त आधुनिक मशीनें बरामद की गईं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि यह फैक्ट्री कोई एक-दो महीने पुरानी नहीं थी, बल्कि वर्षों से संचालित हो रही थी – वो भी सीमावर्ती क्षेत्र में, सुरक्षा एजेंसियों की आँखों के नीचे।

पुलिस ने फैक्ट्री संचालक पंकज सिंह और राजेश्वर सिंह को मौके से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद छपरा और मुंगेर में हुई छापेमारी में दो अन्य मास्टरमाइंड – नैयर आलम और अमिताभ शर्मा को भी दबोचा गया। नैयर आलम इस पूरी फैक्ट्री का तकनीकी मास्टर था, जो हथियार निर्माण में दक्ष था और जरूरत के अनुसार कारीगरों की भी आपूर्ति करता था।

भारत-नेपाल की खुली सीमा से सटे इस क्षेत्र में हथियार फैक्ट्री का वर्षों तक चलना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सीमा सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियां और अन्य तैनात इकाइयां इस फैक्ट्री की भनक तक नहीं ले सकी। यह वही इलाका है जहां पहले भी कई बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी है, चाहे वो 400 से अधिक बच्चों को मुक्त कराने की कार्रवाई हो या बुद्धिजीवी की हत्या की साजिश का खुलासा।

जिस फैक्ट्री में बारूद और हथियार बनते रहे, वहां आम लोग, महिलाएं और बच्चे रह रहे थे। शहर आज यह सोचकर सिहर उठा है कि इतने हथियारों के बीच हम कैसे जी रहे थे। अगर यह फैक्ट्री ऐसे ही चलती रहती, तो न जाने कितनी जानें जातीं, कितने परिवार उजड़ते।

ऐसे में प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर यह सब वर्षों से कैसे चल रहा था? क्या यह महज़ लापरवाही है या कोई बड़ी साठगांठ?

इस पूरे ऑपरेशन का श्रेय मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात को जाता है, जिनकी सूझबूझ और रणनीति से यह खतरनाक जाल टूट पाया। शहर आज उन्हें धन्यवाद दे रहा है कि उन्होंने एक बहुत बड़े संकट से लोगों को बचा लिया। यह सिर्फ एक फैक्ट्री का उद्भेदन नहीं, बल्कि आने वाले खतरों को रोकने का प्रयास है।

इस कारवाई ने प्रशासन के एक सक्रिय चेहरे को तो सामने रखा है, लेकिन यह भी बता दिया कि अब केवल एक कारवाई से काम नहीं चलेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी, गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना, और एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना अब समय की मांग है। अन्यथा, न जाने और कितनी ऐसी फैक्ट्रियां किसी मासूम की जिंदगी छीनने के लिए तैयार बैठी हो।

फ्रूटी के डिब्बों के साथ शराब तस्करी का भंडाफोड़, तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। अरेराज

अरेराज उत्पाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब तस्करी के एक नायाब तरीके का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने नरकटिया चौक के पास छापेमारी कर 31 पीस फ्रूटी के डिब्बों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान भीम कुमार, पिता भैरव पासवान के रूप में हुई है, जो नौतन थाना क्षेत्र के सिवराज पूर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने तस्कर के कब्जे से शराब की खेप और उसकी बाइक भी जब्त कर ली है। उत्पाद थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नरकटिया चौक पर घेराबंदी की और भीम कुमार को फ्रूटी के डिब्बों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तस्कर यह शराब कहां से लाया था और इसे कहां पहुंचाने वाला था। इस गिरफ्तारी से इलाके में शराब तस्करी के नेटवर्क पर एक बड़ी चोट पहुंचने की संभावना है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम। केसरिया

महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित कर सरकार द्वारा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इस कार्यक्रम में जीविका दीदी व गैर जीविका दीदी शामिल हो रही हैं। इस कड़ी में रविवार को माँ जीविका महिला ग्राम संगठन ताजपुर पटखौलिया के द्वारा ताजपुर बोरिंग बाजार परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राज्य सरकार द्वारा महिला केंद्रित योजनाओं के बारे में वीडियो के माध्यम से दिखाया गया। इस दौरान बीपीएम मो साहेब द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। साथ हीं विभिन्न संचालित व क्रियान्वित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित दीदियों से उनकी आकांक्षाओं व मंतव्य का संकलन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रभावशाली, समावेशी एवं सहभागी सुशासन के लिए महिलाओं एवं सामुदायिक संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम में सामुदायिक समन्वयक विजय कुमार, रोहित रंजन, सुगांति कुमारी, राकेश कुमार, सरिता देवी, रंजीत कुमार, बुद्धिप्रिय प्रशांत सहित अन्य मौजूद थे।

महिलाओं की समस्या एवं सुझाव सरकार की प्राथमिकता: बीडीओ

बीएनएम। शिवहर

आपकी सभी की समस्याएँ और सुझाव हमारी सरकार की प्राथमिकताएं हैं। हमें आपकी भागीदारी से नीतियों और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनानी हैं। ये बातें प्रखंड विकास पदाधिकारी पुरनहिया जितेंद्र कुमार राम ने सूरज जीविका महिला ग्राम संगठन, कोल्हुआ ठीकहां में आयोजित महिला संवाद में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाएँ व्यक्त करने एवं सक्रिय रूप से जनहित से जुड़े कार्यों में सहयोग देने का आह्वान किया। जीविका प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्याम नारायण ठाकुर ने कहा कि सूचना ही शक्ति है। अतः महिला संवाद कार्यक्रम में दिखाई जा रहे वीडियो को ध्यान पूर्वक देखें और सरकार की योजना और मंशा को समझें। उन्होंने बताया कि महिला संवाद में कुल 45 मिनट का फिल्म दिखाया जा रहा है जिसमें सरकार की योजना की चर्चा है एवं बिहार के महिलाओं के विकास की गाथा संक्षेप में दिखाई गई है। महिलाओं ने सामूहिक रूप से गाँव में तालाब की, समूह के लोन पर ब्याज दर को सस्ता करने की मांग की I इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, जल जमाव, जल नल सुदृढ़ीकरण, रोजगार के अवसर, महिला सुरक्षा से संबंधित अपेक्षाओं को दर्ज कराया। इसके साथ ही डुमरी कटसरी में अनुष्का एवं शारदा पिपराही में सरस्वती एवं संस्कार, शिवहर सदर में अमृत एवं चाहत, तरियानी में विशाल एवं आंचल और पुरनहिया में सरस्वती जीविका महिला ग्राम संगठन में लगभग दो हज़ार से अधिक महिलाओं ने महिला संवाद में भाग लिया। जिसमें महिलाओं को फिल्म दिखा कर सरकारी योजना की जानकारी दी गई एवं अपेक्षाएं ली गयी। महिला संवाद कार्यक्रम अलग अलग स्थानों पर जिला परियोजना प्रबंधक गुलाम कौसर, प्रबंधक सामाजिक विकास ओसामा हसन, प्रखंड परियोजना प्रबंधक पिपराही रंजीश कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक डुमरी कटसरी दीपक पासवान, प्रखंड परियोजना प्रबंधक तरियानी सुमन कुमार, प्रबंधक गैर कृषि वासिफ़ हसन, युवा पेशेवर दीपक कुमार, प्रबंधक कृषि अनिल कुमार, प्रबंधक समुद्यिक वित् एवं पंचायत आयोजन दल के साथ मौजूद रहे।

बेतिया में पुलिस लाइन में पुलिस ने अपने सहयोगी पुलिस को 11 गोलियां दागी, मौत

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया की पुलिस लाइन में बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। सिपाही परमजीत ने अपने ही मित्र जवान सोनू कुमार पर लगातार 11 गोलियां चलाई, जिससे सोनू की मौके पर ही मौत हो गई है। बेतिया पुलिस लाइन में गोलियों की आवाज सुन पूरा पुलिस लाइन दहल उठा और रात्रि पहर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आरोपित सिपाही परमजीत घटना को अंजाम देने के बाद राइफल लेकर छत पर चढ़ गया, जहां से उसे काबू करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी इसके बाद उसे गिरफ्तार कर मुफस्सिल थाना लाया गया। जहां पुलिस पूछ ताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक सोनू और परमजीत के बीच परिवार को लेकर आपसी झगड़ा चल रहा था।

मोतिहारी में 6 साइबर फ्रॉड गिरफ्तार, पाकिस्तान एवं नेपाल से कनेक्शन आया सामने

» करोड़ो के लेन-देन के मिले सबूत

बीएनएम। मोतिहारी

जिला साइबर थाना की पुलिस की टीम ने पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पूर्वी चंपारण जिला के पहाड़पुर स्थित सिसवा बाजार से साइबर फ्रॉड करने वाले एक बड़े गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।बताया गया है,कि इस गिरोह का नेटवर्क नेपाल से लेकर पाकिस्तान तक फैला है,जिसका बड़ा सबूत भी पुलिस को मिला है। पुलिस टीम इस गिरोह के सभी लिंकेज को खंगालने में जुटी है।पुलिस ने इन अपराधियों के पास से 10 स्मार्ट फोन, एक की-पैड फोन, 8 एटीएम कार्ड, 19 सिमकार्ड, विभिन्न बैंकों के 15 पासबुक व 66 हजार चार सौ रुपये नगद बरामद किया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि बदमाशों के पास से बरामद सिमकार्ड व पासबुक को लेकर देश के कई राज्यों में शिकायत दर्ज है। पकड़े गये अपराधियो की पहचान पहाड़पुर के सिसवा बाजार निवासी अभिमन्यु कुमार उर्फ लालू, इमामुद्दीन अंसारी, क्यामू अंसारी, सहजाद आलम, सरवर सुलतान व मनोवर आलम के रूप में हुई है,जिसने पूछताछ के दौरान नेपाल और पाकिस्तान से कनेक्शन होने का खुलासा किया है।इसके साथ ही इनलोगो ने विदेश में बैठे साइबर फ्रॉड के एक मास्टर माइंड मोहम्मद इब्राहिम के नाम का भी खुलासा किया है। एसपी ने बताया कि अपराधियो के पास से मिले पासबुक से अब तक करोड़ों के फ्रॉड किये जाने का सबूत मिला है।इन पैसो से यह गिरोह क्रिप्टो कैरेंसी खरीद कर यूएस डॉलर में तब्दील करते थे।जिसके लिए यह गिरोह बिमेन एप से यूएसडीटी में बदलकर क्राप्ट ट्रेडिंग कर रहे थे।फिलहाल पुलिस इस अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गिरोह से आवश्यक पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजद का राज्य स्तरीय पंचायती राज सम्मेलन 24 को

बीएनएम। पटनाः राष्ट्रीय जनता दल पंचायती राज प्रकोष्ठ की ओर से 24 अप्रैल को पटना स्थित कर्पूरी सभागार, राजद राज्य कार्यालय में राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।सम्मेलन को लेकर तैयारियों की समीक्षा के लिए पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए राजद पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की डबल इंजन सरकार लगातार पंचायती राज व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों में कटौती की जा रही है।उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद पंचायती राज प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्य भर में अभियान चला रहा है। इसी अभियान के तहत यह राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने जानकारी दी कि सम्मेलन में पूरे राज्य से हजारों की संख्या में पंचायती राज जनप्रतिनिधि, प्रकोष्ठ के पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक के पदाधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी करेंगे।

बिहार में हो रही वित्तीय लूट, सरकार कर रही है प्रचार में पैसे का दुरुपयोगः तेजस्वी

बीएनएम। पटनाः विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर नीतीश सरकार और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।राजद कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में वित्तीय अराजकता फैली हुई है और सरकारी पैसों की लूट मची है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक सात कैबिनेट बैठकें हो चुकी हैं, जिनमें 76,622 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृति दी गई है।तेजस्वी ने सवाल किया कि क्या इन योजनाओं में पारदर्शिता है? क्या ब्लॉक स्तर से लेकर मंत्रियों तक भ्रष्टाचार नहीं है?उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह सरकारी पैसे से अपनी पार्टी का प्रचार कर रही है। तेजस्वी ने कहा,अगर भ्रष्टाचार नहीं है तो आपकी एजेंसियां क्या कर रही हैं? विफलता आपकी है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी। उन्होंने सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की।

बांसी नदी के सौंदर्यीकरण में अनियमितता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बीएनएम। बगहाः बिहार - उत्तर प्रदेश की सीमा स्थित मधुबनी की बांसी नदी की सौदर्यीकरण हेतु मधुबनी प्रखंड प्रमुख सह भाजपा के वरीय नेत्री विजया सिंह के अथक प्रयास से बांसी नदी की सौदर्यीकरण हेतू जीर्णोद्धार कार्य शुरु है। उन्होंने बताया कि बांसी नदी की सौदर्यीकरण को लेकर जिलाधिकारी पश्चिमी चम्पारण और उप मुख्यमंत्री से काफी दिनों से मांग की जा रही थी।विधान परिषद सदस्य भीष्म साहनी ने भी सदन में अवाज भी उठाई थी । तब बांसी नदी के सौंदर्यीकरण हेतु जिला परिषद निधि से जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी प चम्पारण, वाल्मीकि नगर विधायक रिंकू सिंह एवं जिला परिषद अध्यक्ष,जिला परिषद सदस्य व जिला स्तरीय पदाधिकारीयों के उपस्थिति में शिलान्यास का कार्य किया गया। बावजूद भी संवेदक के द्वारा मनमानी रूप से कार्य कराने का आरोप क्षेत्र के ग्रामीण श्याम कुशवाहा, रंगलाल पासवान, रामेश्वर गुप्ता रामबृक्ष गुप्ता, योगेन्द्र गुप्ता, दिनेश दास,रामाशंकर पटेल,भोला गुप्ता के द्वारा लगाया गया है। प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि सह भाजपा के युवा नेता विजय सिंह ने रविवार को बांसी नदी सौदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण स्थानीय लोगों के साथ किया। निरीक्षण के दौरान हरिहर शिव मंदिर परिसर में संतों के समाधी तोड़ने का आरोप सत्य पाया। साथ ही बांसी नदी के जीर्णोद्धार में अनेकों प्रकार की अनियमितता पाई गई। जिसको देख ग्रामीणों से बांसी नदी के सौंदर्यीकरण में संवेदकों के साथ बैठक कर प्लानिंग के साथ कार्य कराने की बात कही गई।

कैदियों के साथ मनमानी करने का माले का आरोप

बीएनएम। बगहाः बगहा उपकार में बंदियों के साथ बरतीं जा रही धांधली को लेकर भाकपा माले के बगहा दो प्रखंड के अंचल सचिव परशुराम यादव ने बगहा अनुमंडल पदाधिकारी को एक आवेदन देकर जांच करने की मांग की है। अनुमंडल पदाधिकारी को दिए आवेदन में भाकपा माले के अंचल सचिव परशुराम यादव ने आरोप लगाया है कि उपकार बगहा में कैदियों के खाना में कटौती, फटा हुआ कंबल तथा शिकायत करने पर बंदियों को जेल के अंदर पिटाई कर डराने का आरोप लगाया है। भाकपा माले के अंचल सचिव परशुराम यादव का आरोप है कि नाश्ते में कैदियों को दिया जाता है चना वह कम दिया जाता है, तथा गुड़ नहीं दी जाती है।भात तौल से कम व दाल में दाल कम पानी ज्यादा रहता है। ठीक वही स्थिति सब्जी की भी रहती है। रोटी कैदियों को कच्ची दी जाती है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है । कारा में लगे अधिकांश पंखे खराब है।जिनकी रिपेयर की कोई भी व्यवस्था नहीं है । इस तरह से ऐसे तमाम प्रकार के आरोप भाकपा माले के अंचल सचिव के द्वारा जेल प्रशासन पर लगाया गया है । इन सभी की जांच करने की मांग अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर भाकपा माले के अंचल सचिव के द्वारा की गई है। इस संबंध में जेलर प्रकाश कुमार ने बताया कि बगहा उपकारा प्रशासन पर लगाए गए परशुराम यादव का आरोप निराधार है । उन्होंने बताया कि परशुराम यादव 3 अप्रैल से लेकर 17 अप्रैल तक बगहा उपकार में ही थे। जेल से बाहर जाते वक्त उनसे फीडबैक भी लिया गया । जिस पर उन्होंने अपनी पूर्ण सहमति व्यक्ति की । अब बाहर जाकर जेल के संबंध में अनाप-शनाप आरोप लगा रहे हैं जो पूर्णतः निराधार है।

विभिन्न मामलों में 18 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। बगहाः विगत 24 घण्टे में 18 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। 4 कुर्की एवं 54 वारंट का निष्पादन किया गया हैं। जिसमें जमानतीय 3 एवं अजमानतीय 51 हैं।उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने रविवार को प्रेस रिलीज जारी करके दी है।उन्होंने बताया कि बगहा थाना,वाल्मीकीनगर थाना,सेमरा थाना, रामनगर थाना,नौरंगिया थाना,भितहां थाना,धनहां थाना,ठकराहां थाना द्वारा शराब के काण्ड,वारंट तथा पोक्सो एक्ट में 18 अभियुक्त को गिरफ्तार कर किया गया है । साथ ही 80 लीटर चुलाई शराब, 02 बाइक बरामद की गई है। गोवर्धना थाना द्वारा दो ट्रैक्टर ट्रॉली बालू लदा हुआ जब्त किया गया। एसपी ने बताया कि बगहा पुलिस द्वारा बीते शनिवार को अपराध नियंत्रण हेतु वाहन जॉच किया गया जॉच के क्रम में बगहा थाना 8,000,भैरोगंज थाना 2,000, नौरंगिया थाना 5,500,वाल्मीकीनगर थाना 16,000, नदी थाना 1,000, रामनगर थाना 12,000, लौकरिया थाना 12,000, सेमरा थाना 2,000, गोवर्धना थाना 4,500, यातायात थाना 24,000 इस प्रकार 87,000 रूपये का जुर्माना लगाया गया।

प्रधानमंत्री को कोशी विकास संघर्ष मोर्चा सौंपेगा ज्ञापन

बीएनएम। सहरसा । 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार आगमन के अवसर पर "कोशी विकास संघर्ष मोर्चा" एक विशेष ज्ञापन समर्पित करेगा। प्रधानमंत्री का यह दौरा मधुबनी जिले के लिए प्रस्तावित है, जिसे लेकर कोशी अंचल की जनता मिली-जुली प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। मोर्चा के संरक्षक प्रवीण आनंद और अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने बताया कि कोशी अंचल की लगभग 4 करोड़ की आबादी अभी भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री का यह दौरा कोशी के मुख्यालय सहरसा में होता, तो यह क्षेत्रीय सम्मान और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत होता। फिर भी मोर्चा को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री ज्ञापन की मांगों को गंभीरता से लेंगे। ज्ञापन में कुल सात प्रमुख मांगें रखी गई हैं, जिनमें कोशी अंचल में एम्स की स्थापना, कोशी विकास प्राधिकरण का गठन, पंडित मंडन मिश्र कृषि महाविद्यालय को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा, एक केंद्रीय और एक आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय की स्थापना, विशेष विकास पैकेज, तथा क्षेत्रीय आधारभूत ढांचे के विकास के लिए दीर्घकालिक योजनाएं शामिल हैं।

बिना पंजीकरण चल रहा था 'खुशी हेल्थ केयर' तीन मरीज मिले भर्ती, संचालक फरार

हरसिद्धि में अवैध नर्सिंग होम सील, झोलाछाप चिकित्सकों में मचा हड़कंप

बीएनएम। मोतिहारी

» स्वास्थ्य विभाग सवालों के घेरे में, क्षेत्र में दर्जनों अवैध नर्सिंग होम और सैकड़ों क्लिनिक संचालित

जिले के हरसिद्धि प्रखंड में अवैध रूप से संचालित हो रहे नर्सिंग होम और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बिना पंजीकरण चल रहे नर्सिंग होम को सील कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हरसिद्धि बाजार स्थित गायत्री पेट्रोल पंप के समीप संचालित खुशी हेल्थ केयर नामक नर्सिंग होम पर छापेमारी की। जांच के दौरान वहां तीन मरीज भर्ती पाए गए, जिनमें एक युवती और दो महिलाएं थीं। सभी को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय पीएचसी लाया गया और वहां से मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर किया गया।

बिना पंजीकरण के चला रहा था अस्पताल, मरीजों की जान से हो रहा था खिलवाड़- नर्सिंग होम संचालक डॉ. इम्तियाज अली को लेकर जांच टीम को कई गंभीर अनियमितताएं मिली। छापेमारी की भनक लगते ही वे क्लिनिक से फरार हो गए। मौके पर लगे पोस्टर में उन्हें बीएएमएस डॉ.इम्तियाज अली और उनके एक सहयोगी को एमबीबीएस डॉक्टर एवं सर्जन बताया गया था। पोस्टर में यह भी दावा किया गया कि यहां सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है, जो जांच में पूरी तरह झूठा और भ्रामक निकला।

सीएचसी प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि यह नर्सिंग होम किसी भी वैध पंजीकरण के बिना अवैध रूप से वर्षों से संचालित हो रहा था। स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर जिला स्वास्थ्य विभाग ने एक विशेष टीम का गठन किया था, जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार और स्थानीय पुलिस बल भी शामिल थे।

सनद रहे कि यह घटना सिर्फ एक अवैध नर्सिंग होम की नहीं है, बल्कि पूरे हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की खस्ताहाली और सरकारी निगरानी की कमी को उजागर करती है। स्थानीय लोगों अनुसार, क्षेत्र में इस समय दर्जनों अवैध नर्सिंग होम और सैकड़ों झोलाछाप डॉक्टरों के क्लिनिक खुलेआम चल रहे हैं, जो गरीब और अनजान मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। छापेमारी के बाद पूरे इलाके में खलबली मची हुई है। कई अवैध क्लिनिकों ने अपने बोर्ड तक हटा लिए हैं, जबकि कई संचालक भूमिगत हो गए हैं। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यह सिर्फ शुरुआत है और आगे भी ऐसे संस्थानों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कानूनी कार्रवाई की तैयारी-

जांच टीम ने स्पष्ट किया कि 'खुशी हेल्थ केयर' पूरी तरह अवैध था और इसके संचालक पर जल्द ही प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग की ओर से जब्त दस्तावेजों की जांच जारी है और इस आधार पर अन्य क्लिनिकों की भी सूची तैयार की जा रही है।

25 को प्रशांत किशोर सिकंदरा में

सिकंदरा बैठक में उपस्थित नेता व कार्यकर्ता

» सिकंदरा के पिरहिंडा कॉलेज में करेंगे सभा संबोधित

बीएनएम। सिकंदरा

विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं के द्वारा कमर कसकर जोर-शोर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। वहीं जन सुराज पार्टी के द्वारा राधिका विवाह भवन के परागण में पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मदेव यादव के द्वारा किया गया। बैठक में कार्यकर्ता को बताते हुए सिकंदरा के जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता प्रदीप चौधरी ने कहा कि आगामी 25 अप्रैल को हमारे पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर जी का सिकंदरा कि धरती पर आगमन होने जा रहा है। जिसकी तैयारी को लेकर जोर जोर से कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए लगे हुए हैं। सिकंदरा के धनराज सिंह महाविद्यालय के मैदान में जनसुरज पार्टी का सभा होने जा रहा है। जिसमें जमुई जिले भर के कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र से लोगों को एकजुट करने में लग गए हैं। हमारी पार्टी विधानसभा में हर एक क्षेत्र में जा जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। मौके पर पार्टी के कार्यकर्ता इंजीनियर उत्तम कुमार, मोहम्मद हसीब, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद कल्लू, मोहम्मद शमशाद, राजीव कुमार सिंह भोली सिंह, मोहम्मद असलम, सत्येंद्र कुशवाहा, सरोवर महतो, कुंदन कुमार, महेश्वर पासवान, सूर्यनारायण कुमार, विजय पांडे, मनोज यादव, अशोक यादव के आलावा दर्जनों कि संख्या में कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक घायल, अनियंत्रित हाइवा ने मचाई तबाही

बीएनएम। सहरसा

क्षतिग्रस्त दुकान की तस्वीर

एनएच 107 पर स्थित पहाड़पुर बाजार के समीप शनिवार तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने कहर बरपाया। सिमरी बख्तियारपुर-सोनवर्षा मार्ग पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि ऑटो, ठेला और एक दुकान को क्षति पहुंची।पहली घटना सुबह उस समय हुई जब सिमरी बख्तियारपुर की ओर से आ रही एक अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे खड़े एक ऑटो और दो ठेले में टक्कर मार दी। इसके बाद हाइवा एक दुकान में घुस गई। हादसे के वक्त सड़क किनारे मॉर्निंग वॉक कर रहा चकभारो गांव निवासी ज्योतिष कुमार इसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से जख्मी युवक को स्थानीय निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।घटना के कुछ ही देर बाद दूसरी हाइवा ने पहाड़पुर बाजार के पास एक खंभे में टक्कर मार दी, जिससे खंभे पर लगी सोलर लाइट क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाइवा गलत दिशा में तेज गति से चल रही थी, जिससे यह हादसे हुए। घायल युवक के परिजन और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, युवक को टक्कर मारने वाला हाइवा चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया है।

वातावरण को शुद्ध करने को लेकर करें पौधारोपण

बीएनएम। जमुई

जमुई में पौधा रोपण करते लोग

अपने नियमित रविवारीय यात्रा के 485वें रविवार को साइकिल यात्रा एक विचार, जमुई के सदस्यों का आधा दर्जन सदस्यों का कारवां नगर परिषद के खैरमा ग्राम पहुंची जहां पूर्व में 5 निजी जगहों पर लगाए गए पौधा का निरीक्षण किया गया। लगवाने वाले के अथक प्रयास से पांच छोटे छोटे बगीचा का रूप ले चुका है और पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहा प्रयास सफल रूप में देखा जा सकता है। सदस्यों ने खुशी जाहिर करते हुए हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि जब अथक मेहनत कर परिणाम लोगो द्वारा इस प्रकार दिया जाता है तो इस दिशा में और बेहतर कार्य करने के लिए उत्साह बढ़ती है। साईकिल यात्रियों के करवा श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम से निकलकर आज शास्त्री कॉलोनी, सतगामा होते हुए खैरमा ग्राम पहुंची जहां आशीष सिन्हा के निजी जमीन पर पौधारोपण किया गया। आशीष सिन्हा द्वारा बताया गया कि हर लोगो को अपने जीवन काल में पौधारोपण करना चाहिए यदि आपके पास भूमि है और उसपर भविष्य में कोई कार्य नहीं होना हैं तो पौधारोपण कर देना चाहिए यह वातावरण को शुद्ध करेगी ही इसके साथ फल, फूल लकड़ी और कई लाभ भी कई दशकों तक देता रहेगा। सदस्य गोलू कुमार द्वारा बताया गया कि आज से ही नहीं बल्कि प्राचीन काल से पर्यावरण का बहुत महत्व रहा है, क्योंकि प्रकृति का संरक्षण करना मतलब उसका पूजन करने के समान होता है। हमारे देश में पर्वत, नदी, वायु, आग, ग्रह नक्षत्र, पेड़ पौधे यह सभी कहीं ना कहीं मानव के साथ जुड़े हुए हैं लेकिन बढ़ते विकास के कारण इसे लगातार नुकसान पहुंच रहा है। इसे संरक्षण की सामूहिक रूप से करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर गोलू कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, शुभम सिंह, विवेक कुमार, बजरंगी लाल, दिवाकर कुमार, प्रभाकर कुमार, अंकित कुमार, नंदन कुमार, आशीष सिन्हा, सिद्धार्थ सिन्हा, राहुल कुमार, दिलीप कुमार, विशाल कुमार, मोहित कुमार, सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकरण में डाटा सेंटर मुख्यालय कटेगा कार्य

बीएनएम। जमुई/झाझा

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत का कार्य राज्य स्तर से निर्धारित कर्मी से ही करवाने को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से रेफरल अस्पताल झाझा सहित अन्य सरकारी अस्पताल को सीएस ने आदेश जारी किया है। सीएस के द्वारा जारी पत्रांक 580 के अनुसार जानकारी दी गई कि राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार के प्रधान सचिव संजय कुमार के पत्रांक 6101 अनुसार जन्म एवं मृत्यु का निबंधन शत प्रतिशत निबंधन कराना जाना है। जिसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी आदेश को लेकर सीएस ने पत्र निर्गत किया। जिसमे दर्शाया गया कि जिलेभर के सरकारी स्वास्थ्य संस्थान प्रखंड अंतर्गत जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण का कार्य सम्बधित प्रखंड संचालित डाटा सेंटर मुख्यालय से न करा कर अन्य कर्मी से इस कार्य को सम्पादन कराया जा रहा है। इसके बावजूद ऐसा नही किया जाना सरकार के आदेश की अवहेलना को दर्शाता है। सीएस ने लिखे पत्र में निर्देश दिया कि प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग बिहार के पत्र के आलोक में निर्देशित है कि स्वास्थ्य संस्थान प्रखंड अंतर्गत जन्म एवं मृत्यु का कार्य डाटा सेंटर मुख्यालय को हस्तगत करते हुये पत्र निर्गत तिथि से 7 दिनों के अंदर अनुपालन प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए एवं साथ ही निर्देशित है पंजीकरण कार्य डाटा सेंटर मुख्यालय से नियमित रूप से अद्ययन रखना सुनिश्चित करे। इधर ,सीएस के द्वारा दिये गए निर्देश पर जिला के अलग अलग सरकारी अस्पताल में डाटा सेंटर मुख्यालय को नियुक्त किया गया जिसमें झाझा रेफरल अस्पताल में जितेंद्र मंडल को नियुक्त किया गया।

यूटीएस ऐप से अब ले सकेंगे मासिक पास

» लंबी लाइन और कागज दोनों से मिलेगी मुक्ति

बीएनएम। लखीसराय

अनारक्षित टिकट काउंटर पर लगी भीड़

रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत बडी खबर है। अब मासिक पास बनवाने के लिए स्टेशन के टिकट काउंटर पर लंबी कतार में लगने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे ने यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से मासिक पास लेने की सुविधा शुरू कर दी है। पहले यह सुविधा सिर्फ अनारक्षित सामान्य टिकट तक सीमित थी, लेकिन अब यात्री मासिक टिकट भी आसानी से ऐप के जरिए बुक कर सकते हैं। इस नई सुविधा से सबसे ज्यादा फायदा उन दैनिक यात्रियों को मिलेगा जो हर दिन ट्रेन से ऑफिस, स्कूल या व्यापार के सिलसिले में यात्रा करते हैं। टिकट काउंटर की भीड़ से बचने के साथ-साथ अब उन्हें बार-बार लाइन में लगने की झंझट नहीं होगी। यात्रियों को इस सुविधा से समय की बचत होगी और कागज की बर्बादी भी रुकेगी, जिससे पर्यावरण को भी फायदा पहुंचेगा। इसके साथ ही ऐप से टिकट लेने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी, जो कि मासिक खर्च को थोड़ा और हल्का बनाएगी। दानापुर मंडल के अनुसार, इस सुविधा से लगभग 80 हजार दैनिक यात्रियों को लाभ मिलेगा। रेलवे का यह कदम डिजिटल इंडिया और ग्रीन इंडिया की दिशा में एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे यात्रियों को अधिक पारदर्शी और सरल सेवा का अनुभव होगा।

पुलिस तंत्र व्यवस्था और भी होगी मजबूत

पुलिसकर्मियों को लैपटॉप व मोबाइल के उपयोग की दी गई जानकारी : एसपी

बीएनएम। बगहा

बगहा में थाना अध्यक्षों को जानकारी देते पदाधिकारी

जिले में पुलिस तंत्र व्यवस्था को और भी मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के आदेश के आलोक में सी.सी.टी.एन.एस परियोजना के तहत सभी अनुसंधानकर्ताओं को लैपटॉप एवं मोबाइल का बेसिक जानकारी हेतु पुलिस केन्द्र बगहा एवं बगहा थाना परिसर में सभी पुलिस पदाधिकारीयों,कर्मियों को पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में सी.सी.टी.एन.एस प्रभारी एवं कर्मियों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।एसपी ने बताया कि सी.सी.टी.एन.एस परियोजना के तहत पुलिस के पदाधिकारियों और सभी अनुसंधानकर्ताओं को लैपटॉप और मोबाइल के उपयोग की बुनियादी जानकारी दी गई है। यह जानकारी उन्हें अपराध और अपराधियों का पता लगाने, मामले की जांच और पुलिस कार्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करेगी। इसका उद्देश्य पुलिस बल को आधुनिक बनाना,अपराध जांच में सुधार करना और नागरिक सेवाओं में सुधार करना है। इस अवसर पर तमाम पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी शामिल रहें।

जनता को करारा झटका

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया। उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमशः दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्जवला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया। मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है, आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है। पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढ़ने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढ़ने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पड़ने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला।

तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतें शौक या कार्यकलाप हैं,जिन्हें रोकने के लिए 195 से अधिक देशों की सदस्यता से बना संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस आदत,वस्तु को रोकने अनेक कार्यक्रम व जनजागरण दिवस मनाया जाता हैं।परंतु मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनियां के हर देश व हर राज्य द्वारा इससे संबंधित कानूनो में अब संशोधन करने का समय आ गया है।अब तंबाकू और उससे बनी वस्तुओं पर पूरी तरह से बैन और उल्लंघन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि भारत के अनेक राज्यों में तंबाकू व उससे बने पदार्थों पर बैन लगा हुआ है, परंतु उस पर सख़्ती की अत्यंत भारी कमी देखने को मिल रही है।इस संबंध में इस आर्टिकल को लिखने के पीछे मैं खुद एक हफ्ते से रिसर्च व ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहा थाजिसकी चर्चा हम नीचे के पैराग्राफ में करेंगे, तो मैंने पाया कि तंबाकू विक्रेताओं पर अति सुस्ती से कार्रवाई होती है, मार्केट में खुले आम तंबाकू बिकते दिखा अनेक गोदाम पैक रखे हुए, विक्रेता मलाई से लबालब शालीनता वाली जिंदगी मे मस्त दिखे। दूसरी और अभी कुछ दिन पहले हमारी राइस सिटी गोंदिया में संबंधित विभाग द्वारा स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू और उससे संबंधित पदार्थ बेचने पर अनेक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।मेरा मानना है कि इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए यह कार्रवाई लगातार सप्ताह में दो बार शुरू रहनी चाहिए तो इस समस्या का जड़ से निदान हो सकता है।असल में होता यह है कि हफ़्ताखोरी के कारण जो रेड होता है, उसकी जानकारी संबंधित ऑनर को उस डिपार्टमेंट के भेदियों से मिल जाती है और माल ठिकाने लग जाता है या सेटिंग से कम जप्ती दिखायी जाती है, केस ढीला कर दिया जाता है, आरोपी को शीघ्र जमानत मिल जाती है, फिर कारोबार का चक्र उसी तरह चलते रहता है, रिकॉर्ड में रेड दिखाई जाती है पर होता जाता कुछ नहीं, यह कहानी मेरा मानना है कि शायद हर जिला प्रशासन में हो सकती है। इस प्रकार के मदिरा व्यापार में मैंनें अभी तक कोर्ट से सजा नहीं देखी या सुनी है।आरोपी छूट जाता है मामला रफादफा हो जाता है और हम केवल और केवल जागरूकता दिवस, निषेध दिवस मनाते रह जाते हैं,जिसपर शायद शासन प्रशासन को गंभीरता से विचार करना जरूरी है। अभी समय आ गया है कि शासन प्रशासन को अति कानूनी सख़्ती भी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक-तंबाकू निषेध कानून का सख्त क्रियान्वयन समय की मांग,तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है। साथियों बात अगर मेरे द्वारा दिनांक 11 से 18 अप्रैल 2025 के बीच तंबाकू सेवनकर्ताओं से ग्राउंड रिपोर्टिंग बातचीत की करें तो, मैं सब्जी मंडी, मॉल, सिनेमाघर, पेट्रोल पंप किराना बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर दैनिक रूटिंन में जाकर देखा तो अनेकों के हाथ में झिल्ली में लपेटा हुआ या पाउच में डाला हुआ गुटका तंबाकू दिखा। मैंनें जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा हमें मालूम है कि पाउच के ऊपर लिखा रहता है तंबाकू सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है, परंतु फिर भी हम खा रहे हैं। हालांकि तंबाकू पर यहां बैन लगा हुआ है फिर भी खुले आम विक्रेताओं बीचसेवनकर्ता सेवन कर रहे हैं। जब मैं उनके दांतों के सड़न के बारे में बात की तो उन्होंने कहा तंबाकू से ही सब गए हैं। मैंनें कैंसर की बात की तो उन्होंने कहा आगे चलकर हमें कैंसर हो सकता है, फिर भी बेफिक्र होकर तंबाकू खाते दिखे तो मुझे लगा अब जनजागरण फैलाने के साथ-साथ अत्यंत सख्त कार्रवाई करना लाज़मी है और संबंधित विभाग को ऊपर से टारगेटेड कार्रवाई केस देने का दबाव बनाना जरूरी हो गया है परंतु या फिर निक्कमे अधिकारियों का निलंबन करना समय की मांग है, क्योंकि ऐसा हो ही नहीं सकता कि तंबाकू सेवन या विक्रेता के केस ना हो, अधिकारी एक ढूंढेंगे तो हजारों केस मिल जाएंगे, इसका स्वतःसंज्ञान मंत्रालय स्तर से लेना जरूरी है। साथियों बात अगर हम तंबाकू खाने से भयंकर बीमारियां और सेहत को नुकसान की करें तो,हर कोई जानता है कि तंबाकू खाना उनकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके बावजूद लोग इसके सेवन से कभी परहेज नहीं करते। परंतु अभी इसे रोकने के लिए उपलब्ध कानूनों का शक्ति से क्रियान्वयन करना जरूरी है ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे। इस साल, तंबाकू उद्योग के युवाओं को टारगेट कर बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वगैरह के जरिए दुनियां भर में युवा तेजी से तंबाकू प्रोडक्ट्स के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं। यह उनके स्वास्थ्य और समाज के कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियां भर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि ज्यादातर देशों में 13 -15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीनप्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। 13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों पर बढ़ रहा खतरा युवाओं में धूम्रपान का प्रचलन बना हुआ है और कई देशों में यह बढ़ रहा है। 13 से 15 वर्ष की आयु के 38 मिलियन से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2022 में, 15 से 24 साल के बच्चों के बीच पॉपुलर टीवी और वेब शो में तंबाकू वाले विजुअल्स में 110 फीसदी की वृद्धि हुई, जो अक्सर धूम्रपान को ग्लैमरस और कूल के रूप में दिखाते हैं।ट्रुथ इनिशिएटिव के अनुसार,स्क्रीन पर धूम्रपान की तस्वीरें देखने पर युवाओं में स्मोकिंग शुरू करने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है। साथियों बात अगर हम तंबाकू सेवन में विभिन्न प्रकार का कैंसर होने का प्रमुख कारण बनने की करेंतो,तम्बाकू विभिन्न प्रकार के कैंसरों के लिए प्रमुख कारण है, तथा अकेले धूम्रपान ही फेफड़े के कैंसर से होने वाली 90 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार है।तम्बाकू उपयोग कर्ताओं की संख्या घटकर 1.25 बिलियन रह जाने के बावजूद, तम्बाकू का उपयोग, विशेष रूप से 13 से 15 वर्ष के बच्चों में, एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत करता है।युवाओं के प्रति तम्बाकू उद्योग की लक्षित रणनीति में ई-सिगरेट, धूम्ररहित तम्बाकू, स्नस, पाउच जैसे नए उत्पादों का विपणन करना तथा पारंपरिक विज्ञापन प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है।युवाओं की सुरक्षा के विषय पर 31 मई को मनाए जाने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस से पहले युवा उपभोक्ताओं को लक्षित करने के लिए करों में वृद्धि, अधिक धूम्रपान मुक्त क्षेत्रों, तंबाकू उत्पादों की बिक्री और विपणन पर सख्त नियमों और डिजिटल प्लेटफार्मों के दोहन की वकालत की जा रही है।युवाओं में तम्बाकू का उपयोग चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है, जो उन्हें सीधे कैंसर के बढ़ते जोखिम के प्रति उजागर करता है। यह कैंसर से पीड़ित और इससे मरने वाले लोगों की संख्या को कम करने के प्रयासों को कमजोर करता है। अगली पीढ़ी को तम्बाकू उत्पादों और भ्रामक ऑनलाइन विज्ञापनों से बचाना और ग्राहक आधार को नवीनीकृत करने के उद्देश्य से उद्योग की आक्रामक रणनीति का मुकाबला करना हमारा कर्तव्य है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए नए उत्पादों -जैसे ई-सिगरेट,विशेष रूप से स्वाद वाले उत्पाद धुआं रहित तंबाकू, स्नस और पाउच-के लिए विपणन रणनीतियों पर कड़े नियंत्रण की वकालत की है, जिनका सोशल मीडिया के माध्यम से आक्रामक रूप से प्रचार किया जाता है। तम्बाकू का उपयोग और उसका सेवन कई प्रकार के कैंसर जैसे फेफड़े, स्वरयंत्र, मुंह, ग्रासनली, गला, मूत्राशय, गुर्दे, यकृत, पेट, अग्न्याशय, बृहदान्त्र और गर्भाशय ग्रीवा के साथ-साथ तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसा अनुमान है कि तम्बाकू के सेवन के कारण हर साल 1 करोड़ से अधिक लोग मारे जाते हैं।

सूडोकु नवताल- 7407

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7406 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

गर्मी में परिंदों की प्यास बुझाना इंसानियत की परीक्षा

प्रियंका सौरभ

तेज होती गर्मी, घटते जलस्रोत और बढ़ती कंक्रीट संरचनाओं के कारण पक्षियों के लिए पानी और छांव जैसी बुनियादी जरूरतें भी दुर्लभ होती जा रही हैं। परिंदे हमारी प्रकृति का अभिन्न हिस्सा हैं और अगर वे गायब हो गए तो यह धरती और भी सूनी हो जाएगी। आधुनिक समाज वातनुकूलक (ए.सी.) चलाने में सक्षम है, लेकिन पक्षियों के लिए एक कटोरा पानी रखने में असफल। हर व्यक्ति अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके इस स्थिति को बदल सकता है, जैसे छत या बालकनी में पानी रखना, पेड़ लगाना और बच्चों में करुणा की भावना जगाना। यह सिर्फ परिंदों के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए भी एक परीक्षा है कि क्या हम वाकई इंसान हैं। गर्मी अब सिर्फ तापमान नहीं रही, यह अब एक त्रासदी बन गई है, खासकर उनके लिए जिनकी आवाज़ न अख़बार में छपती है, न टीवी पर आती है, और न ही सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग लिस्ट में। बात हो रही है उन छोटे-छोटे परिंदों की जो इस तेज़ धूप, सूखी हवाओं और कंक्रीट के जंगल में चुपचाप प्यास से तड़प कर मर जाते हैं। कोई पानी डाल दे तो मैं भी चोंच भर पी लूं... यह पंक्ति अब किसी कविता की कोमल कल्पना नहीं रही, यह एक जीवित सच्चाई है। एक निरीह पुकार जो हर दोपहर किसी छत पर, किसी सूखी डाल पर, किसी तपती खिड़की की जाली के पीछे से उठती है। हमने पेड़ काटे, तालाब पाटे, छज्जों को सीमेंट से बंद कर दिया और टीन की छतों से सूरज को और गर्म कर दिया। आधुनिकता के नाम पर हमने अपने घरों को एसी से ठंडा किया, लेकिन परिंदों के लिए एक घूंट पानी छोड़ना भूल गए। पक्षियों के घोंसले बनाने की जगहें कम होती जा रही हैं। अब उनके लिए न पेड़ बचे, न परछाई, न ही वह परंपरागत संस्कृति, जिसमें हर घर की मुंडेर पर मिट्टी का एक कटोरा पानी से भरा होता था। कई पर्यावरण संस्थाएं बता रही हैं कि गर्मी में पक्षियों की मृत्यु दर में लगातार वृद्धि हो रही है। खासतौर पर गौरैया, कबूतर, मैना, बुलबुल जैसे छोटे पक्षी गर्मी की दोपहर में बेहोश होकर गिर जाते हैं। यदि उन्हें समय पर पानी न मिले, तो मर भी जाते हैं। पर क्या इनकी मौतें किसी समाचार का हिस्सा बनती हैं, क्या इन पर कोई सरकारी घोषणा होती है या फिर क्या इनका कोई "एनजीओ सम्मेलन" बुलाया जाता है। दरअसल परिंदे सिर्फ आसमान की शोभा नहीं हैं, वे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न अंग हैं। वे कीट नियंत्रण करते हैं, परागण में मदद करते हैं, बीज फैलाते हैं और सबसे ज़रूरी कि वे जीवन के संगीत को बनाए रखते हैं। अगर पक्षी गायब हो गए तो यह धरती और अधिक वीरान हो जाएगी और हम भी। हमें यह समझना होगा कि ये नन्हें जीव प्रकृति की बड़ी चेतावनियाँ लेकर आते हैं। जब वे प्यास से मर रहे हैं तो समझिए कि पानी की कमी अब हमारी ओर भी बढ़ रही है। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम "बर्ड फ्रेंडली" समाज बनें। यह कोई बड़ा आंदोलन नहीं, सिर्फ छोटी-छोटी चीज़ें हैं। छत या बालकनी में एक मिट्टी का पानी भरा कटोरा रखें। पेड़ लगाएं, खासतौर पर नीम, पीपल, अमरूद जैसे देशी वृक्ष। बच्चों को परिंदों के बारे में बताएं, दया, संवेदना और जुड़ाव सिखाएं। गर्मियों में पशु-पक्षियों के लिए छाया और पानी की व्यवस्था करें। मंदिरों-मस्जिदों-गुरुद्वारों जैसे स्थलों को भी प्रेरित करें कि वे पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। यह काम किसी सरकार का इंतज़ार नहीं करता। यह आपके हाथ में है। हम ए.सी. चलाने के लिए हज़ारों की बिजली जला देंगे, लेकिन एक कटोरा पानी रखने में कंजूसी कर जाते हैं। हम स्मार्ट सिटी बनाने के लिए करोड़ों बहा देंगे, लेकिन स्मार्टनेस इतनी नहीं कि बेजुबानों के लिए भी कुछ छोड़ सकें। हमारे समाज में अब 'करुणा' भी इंस्टाग्राम रील बन गई है सिर्फ दिखावा भर, पर असर नहीं। गाँवों में भी अब पुराने तालाब सूख रहे हैं, बावड़ियाँ टूट चुकी हैं और पशु-पक्षियों के लिए पीने का पानी अब मुश्किल हो गया है। एक समय था जब गाँव में हर कुएँ की मेड़ पर परिंदे पानी पीने आते थे। आज वही कुएँ सीमेंट से बंद कर दिए गए हैं। शहरों ने गाँवों को विकास तो दिया, लेकिन वह विकास पक्षियों के लिए विनाश बन गया। जलवायु परिवर्तन का सबसे पहला और सीधा असर बेजुबानों पर पड़ता है। तापमान में जरा-सी वृद्धि भी इनके लिए प्राणघातक हो सकती है। इंसान तो पंखा चला लेता है, बर्फ खा लेता है, डॉक्टर के पास चला जाता है। पर चिड़िया कहां जाए, कबूतर किससे कहे कि वह प्यासा है।

मेष राशि : आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छुएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आपको धार्मिक जगहों पर घूमने का मौका मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जाएंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। आपके सगे संबंधियों से मेल-जोल बढ़ेगा।

वृष राशि : आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आप अपना नया व्यापार शुरू करेंगे, आप काम पूरे मन से करेंगे। आज नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे। आज आपको किसी से उलझने से बचकर रहना चाहिए।

मिथुन राशि : आज का दिन सुखमय रहेगा। आप में साहस बढ़ेगा और साहसपूर्ण काम करने में सक्षम रहेंगे। आपको गृह भूमि का लाभ मिलेगा। प्रभावशाली काम को करने का अवसर मिलेगा। जिंदगी में नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा। धैर्य से काम करना होगा, जिससे काम का पूरा रिजल्ट मिलेगा। अपनी कार्य कुशलता को बढ़ाने के लिए आप नई तकनीकों को अपनाएंगे। किसी मित्र के साथ धार्मिक स्थल पर घूमने जाएंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। अपने व्यक्तित्व को व्यवस्थित रखने के लिए आत्म मनन करना जरूरी है। आपकी आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आप एक नई दिशा में अपना काम करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार दोस्तों से करेंगे, आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके अन्न-धन में बढ़ोतरी होगी। आप जिस पद पर कार्यरत है उसकी जिम्मेदारी अच्छे से निभाएंगे। आज आपके पारिवारिक सुख शांति में बढ़ोतरी होगी। किसी नजदीकी रिश्तेदार की परेशानी हल करने में आपका विशेष योगदान रह सकता है।

कन्या राशिः राशि आज आपका दिन खुशियां लाएगा। आप घर पर लोगों के साथ अपना मत रखेंगे, लोग आपकी बातों से सहमत होंगे। संतान के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। पेट की समस्या के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से आप मिलेंगे, जिससे आपको कुछ राहत मिलेगी। आपको व्यापारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। संयम रख कर काम करने से कार्य जल्द ही पूरा होगा।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियां बढ़ेगी। आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा, जिससे किसी समस्या का समाधान मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। आज आपके काम करने की कला से लोग प्रभावित होंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आज किसी भी मामले को गुस्से की बजाए शांति से सुलझाएं। आज सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

धनु राशि : आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखाएगा। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। आज आप फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यावसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जाएगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जाएगा।

मीन राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे, एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा।

गंभीर चिंता का विषय है चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अब इसके लिए शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए, बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये। राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए आवेदन मांगे गये। 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53,749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है, जबकि इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में बड़ी संख्या में पीएचडी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी शिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल हैं। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक भी चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर रही है। सवाल है कि आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं। चपरासी के पद के लिए योग्य हैं तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती। फिर सीधा-सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम हैं पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही। इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है। जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए, इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन-भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेकों संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती हैं। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडीक्लेम व अन्य

सुविधाएं भी आम है। हां परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है, उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है। दरअसल इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती हैं तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रुप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है। एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है। दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है, जिससे दोहरा नुकसान होता है । एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है, क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बात है। लगभग सभी जगह हालात यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांश उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं। उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रूप में ली जाने लगीं। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही, साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए। रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुईं जो बोझ बनकर रह गईं। यह वास्तविकता का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक करने वाले युवक को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह भी है कि जिस तरह निजी क्षेत्र में नए-नए इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबीए कालेज खोले गये और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है। समस्या इतनी साधारण नहीं है, जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं, अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा, नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी। अपितु इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आयेंगे, वास्तविक युवाओं के लिए रोजगार समस्या ही बना रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: लखनऊ ने राजस्थान को 2 रन से हराया, आवेश खान के आखिरी ओवर ने बदल दी बाज़ी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 36वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने रोमांचक अंदाज में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 2 रन से शिकस्त दी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में अंतिम ओवर तक संघर्ष जारी रहा, लेकिन पारी के आखिरी ओवर में आवेश खान की शानदार गेंदबाजी ने लखनऊ को जीत दिला दी। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। टीम के लिए एडेन मार्करम ने 66 और आयुष बडोनी ने 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अंतिम ओवरों में अब्दुल समद के तेज 30 रनों ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राजस्थान की ओर से वनिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक दो विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे को एक-एक सफलता मिली। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल और 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 85 रनों की तेजतर्रार साझेदारी की। सूर्यवंशी ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने नीतीश राणा को सस्ते में पवेलियन भेजा। फिर यशस्वी जायसवाल और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर मैच को राजस्थान की ओर मोड़ने की कोशिश की। यशस्वी ने 52 गेंदों में 74 रन बनाए, लेकिन 17वें ओवर में आवेश खान ने उन्हें आउट कर लखनऊ की वापसी करवाई। इसी ओवर में उन्होंने रियान पराग (39) को भी पगबाधा आउट कर राजस्थान को झटका दिया। अंतिम ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी, लेकिन आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए शिमरन हेटमायर को आउट कर राजस्थान की उम्मीदें तोड़ दीं। अंत में ध्रुव जुरेल (6 रन) और शुभम दुबे (3 रन) नाबाद लौटे, लेकिन टीम 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश खान ने 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। शार्दुल ठाकुर और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने इसको लेकर जारी बयान में बताया कि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर उनकी टीम द्वारा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 35 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने दर्ज की जीतअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में जोस बटलर की 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन की अहम पारी की बदौलत गुजरात की टीम ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया।

मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाजों की सूची में विराट ओर सैमसन शामिल नहीं

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आईपीएल के अब तक के सत्र में के शीर्ष टॉप 10 बल्लेबाजों को चयनित किया है। मांजरेकर की इस सूची में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है। आईपीएल की शुरुआत में भी मांजरेकर ने सत्र के संभावित शीर्ष 10 बल्लेबाजों की एक सूची बनायी थी। उस सूची में से केवल पांच खिलाड़ी ही इस सूची में शामिल हैं। इस सूची में मिचेल मार्श, ट्रैविस हेड, निकोलस पूरन, फिल सॉल्ट, श्रेयस अय्यर बने हुए हैं जबकि पांच खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल शुरुआत में इसमें नहीं थे पर अब उन्हें जगह मिली है। राहुल ने पांच पारियों में 238 रन बनाये हैं। , इस सूची में गुजरात टाइटन्स के जोस बटलर, प्रियांशु आर्य, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन को भी शामिल किया गया है। पावरप्ले में प्रियांशु आर्य और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाज वो हैं, जिन्होंने कम से कम 200 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है। वहीं सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाने और 60 की औसत बनाए रखने के बावजूद, विराट का नाम नहीं होने से सभी हैरान हैं। उनका नाम शामिल नहीं होने का कारण स्ट्राइक रेट सिर्फ कम होना है।

नडाल का फ्रेंच ओपन टेनिस में होगा सम्मान : मौरेस्मो

पेरिस। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन टेनिस के पहले दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। नडाल बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैपियन फ्रेंच हैं। 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल को अलविदा कह दिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने कहा कि नडाल ने कई प्रकार से फ्रेंच ओपन को प्रभावित किया है। इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। नडाल वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार 2024 में खेले थे पर इसमें वह पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। उनके नाम चारों ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। नडाल ने पुरुष टेनिस में सबसे अधिक 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसमें 14 फ्रेंच ओपन दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो विम्बलन खिताब के अलावा 4 अमेरिकी ओपन खिताब हैं। इसके अलावा उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा एटीपी टूर्नामेंट खिताबः 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं। डेविस कपः स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता। वह 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

मुम्बई। बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

व्यापार

खरीदार की भूमिका में नजर आए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 3 दिन में 8,472 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। अप्रैल महीने के शुरुआती 2 सप्ताह के दौरान बिकवाल (सेलर) की भूमिका निभाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 15 से 17 अप्रैल के कारोबारी सप्ताह के दौरान लिवाल (बायर) की भूमिका में नजर आए। 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में वापसी करते हुए खरीद-बिक्री को मिला कर करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार 17 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी 15 अप्रैल को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2,352 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके बाद 16 और 17 अप्रैल को उन्होंने स्टॉक मार्केट में कुल 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार में कुल 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस सप्ताह 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी होने की वजह से शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं हुआ था। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल के महीने में एफपीआई ने अभी तक स्टॉक मार्केट में खरीद बिक्री मिला कर कुल 23,103 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के अभी तक के आंकड़ों को मिला लें, तो साल 2025 में उन्होंने भारतीय शेयर बाजार से अभी तक कुल 1,39,677 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के पहले मार्च के महीने में एफपीआई ने 3,973 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसके पहले फरवरी में एफपीआई द्वारा स्टॉक मार्केट से की गई शुद्ध निकासी का आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपये रहा था, जबकि जनवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से खरीद बिक्री मिला कर कुल 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अप्रैल महीने की शुरुआत में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ का दबाव बनाए जाने की वजह से शुरुआती 2 सप्ताह के कारोबार के दौरान एफपीआई ने खरीद-बिक्री मिला कर काफी आक्रामक अंदाज में कुल 31,575 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि, इसके बाद टैरिफ व्यवस्था में राहत मिलने की वजह से वैश्विक व्यापार में तनाव घटने की उम्मीद बन गई। इसके साथ ही भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ महीने के दौरान हुए करेक्शन की वजह से शेयरों का वैल्यूएशन आकर्षक हो जाने के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह बिकवाली करने की जगह लिवाली करने पर ज्यादा ध्यान दिया। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट और डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत में आई मजबूती की वजह से भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अब भारत जैसे विकासशील देशों की ओर अपना रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर बनी कड़वाहट के कारण इन दोनों देशों की विकास दर में कमी आने की आशंका बनी हुई है। दूसरी ओर, निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के बावजूद 2025-26 के दौरान भारत की विकास दर 6 प्रतिशत या इससे अधिक रहने की उम्मीद बनी हुई है। इस वजह से भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक कई बार तात्कालिक वजहों से भले ही बिकवाली की राह पकड़ते हैं, लेकिन जैसे ही परिस्थितियों में थोड़ा भी सुधार होता है, वे भारतीय शेयर बाजार में लिवाल के तौर पर लौटने लगते हैं।

कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन 22 अप्रैल को, क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के खिलाफ हल्ला बोल

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 22 अप्रैल को कंस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (ऐमरा) और ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के सहयोग से होने वाले इस सम्मेलन का विषय है "क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स का क्रूर चेहरा।" आयोजकों का कहना है कि सम्मेलन में देशभर के व्यापारी नेता, नीति विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक शामिल होंगे, जो डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के कारण पारंपरिक व्यापार प्रणाली पर मंडरा रहे गंभीर खतरों और अनैतिक गतिविधियों को उजागर करेंगे। उनका मानना है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स की अनियंत्रित वृद्धि ने अनुचित मूल्य छूट, उपभोक्ताओं के व्यवहार में हेरफेर, एफडीआई नियमों का उल्लंघन और छोटे व्यापारियों की उपेक्षा जैसे गंभीर मुद्दे सामने ला दिए हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, "अब वक्त आ गया है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के काले सच को देश के सामने लाया जाए। उपभोक्ता जहां एक ओर सुविधा देखता है, वहीं व्यापारी बर्बादी झेल रहा है।" उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का उपयोग एक आर्थिक हथियार के रूप में किया जा रहा है, जिससे बड़ी कंपनियां लागत से कम दाम पर सामान बेच रही हैं, जबकि देश में कोई परिसंपत्ति निर्माण नहीं हो रहा। सम्मेलन में पारंपरिक व्यापार की सुरक्षा, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने और क्विक कॉमर्स से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ठोस नियामक उपायों की मांग की जाएगी। कैट ने सरकार से त्वरित नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया है ताकि व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित किया जा सके।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, साप्ताहिक आधार पर सोना 1,910 रुपये तक उछला

नई दिल्ली। शनिवार की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। आज की तेजी के कारण सोना देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 97,580 रुपये से लेकर 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,450 रुपये से लेकर 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो उतार-चढ़ाव को मिलाकर 24 कैरेट सोना पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोने की कीमत 1,750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। दूसरी ओर, इस सप्ताह चांदी के भाव में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद इस चमकीली धातु की कीमत में सप्ताहांत में साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह के अंत में भी चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी और इस सप्ताह के अंत में भी आज चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की क्रूजर बाइक एलिमिनेटर

नई दिल्ली। जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस :का पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कॉपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्वर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशनें शामिल हैं। इस नई बाइक का ओवरऑल डिज़ाइन भी मॉडर्न और एलिगेंट है।

- **क्रूजर बाइक में 451सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन, कीमत 5.76 लाख**

टॉप 10 कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से सभी 10 कंपनियां मुनाफा कमाकर हरे निशान में बनी रहीं। बाजार की तेजी के कारण इन 10 कंपनियों के मार्केट कैप में सिर्फ 3 दिन के कारोबार के बाद 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, आईटीसी, इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में कुल 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 15 से 17 अप्रैल के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 76,483.95 करोड़ रुपये उछल कर 14,58,934.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 75,210.77 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10,77,241.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 74,766.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 67,597 करोड़ रुपये के फायदे के साथ उछल कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 24,114.55 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 11,93,588.98 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,712.85 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,68,061.13 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 6,820.20 करोड़ रुपये उछल कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 3,987.14 करोड़ रुपये की बढ़ कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़ होकर 5,57,945.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

'फुले' को लेकर बढ़ते विवाद पर अनुराग कश्यप ने जताई चिंता

मुंबई। हाल ही में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने प्रतीक गांधी और पत्रलेखा अभिनीत फिल्म 'फुले' को लेकर बढ़ते विवाद पर चिंता जाहिर की है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म में जाति आधारित शब्दों को हटाने का निर्देश दिया, जिससे निर्माताओं को 'महार', 'मांग', 'पेशवाई' और 'मनु की जाति व्यवस्था' जैसे कई संवादों को हटाना पड़ा। अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले की जीवन गाथा पर आधारित है, लेकिन जातिवाद से जुड़े मुद्दों को उठाने के कारण यह सेंसर बोर्ड की नजर में आ गई है। बोर्ड की इस कार्रवाई से फिल्म की मूल भावना पर असर पड़ा है, और इसी को लेकर अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम स्टोरी में नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि फुले, पंजाब 95, तीस और धड़क 2 जैसी कई फिल्में ऐसे मुद्दों को उजागर करती हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें सेंसरशिप के कारण रोका जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हमारे नेता तो जातिव्यवस्था को खत्म कर चुके हैं। अनुराग कश्यप की इस टिप्पणी के साथ ही फिल्म के समर्थन में आवाजें और तेज हो गई हैं। निर्देशक अनुभव सिन्हा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से सीबीएफसी की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि अगर समाज में जातिव्यवस्था नहीं है तो उसे फिल्मों में दिखाए जाने से रोकना क्यों जरूरी है। सिन्हा ने चुनावी भाषणों और फिल्मों के लिए अलग-अलग मानकों को अनुचित बताते हुए कहा कि दोनों ही समाज से संवाद करने का जरिया हैं, फिर उनके लिए अलग नियम क्यों होने चाहिए। फिल्म फुले तब से विवादों में है जब से इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था। सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर बहस जारी है। जहां कुछ लोग इसे जातिवाद को बढ़ावा देने वाली मानते हैं, वहीं कई इसे इतिहास और सामाजिक सच्चाई को सामने लाने का साहसिक प्रयास बता रहे हैं।

केसरीः चैप्टर 2 में अनन्या की भूमि से खुश है पिता चंकी पांडे

जलियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म केसरी: चैप्टर 2 रिलीज हो चुकी है। अभिनेता अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म में अनन्या पांडे अहम भूमिका में हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेता चंकी पांडे ने बेटी के लिए पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें अनन्या पर गर्व है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर चंकी पांडे ने मुर्गी और अंडे का उदाहरण देते हुए प्रीमियर नाइट में शामिल होने के लिए आभार जताया और कहा कि उन्हें अनन्या पर गर्व है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, " पहले क्या आया मुर्गी या अंडा? सिनेमैटिक वंडर 'केसरी 2' प्रीमियर नाइट का हिस्सा बनने के लिए अनन्या पांडे आप पर मुझे गर्व है।" 13 अप्रैल 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म में अनन्या पांडे अपने करियर में निभाए गए अब तक के एकदम अलग किरदार में नजर आई। वह पहली बार पर्दे पर इस तरह की गंभीर भूमिका में दिखेंगी। 'केसरी 2' में अनन्या पांडे ने वकील दिलरीत गिल का किरदार निभाया है, जो जलियांवाला हत्याकांड के वक्त अहम भूमिका निभाती हैं। फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो कोर्ट रूम में जलियांवाला का सच दुनिया के सामने लाने और ब्रिटिश राज के खिलाफ दहाड़ते नजर आएंगे। वहीं, आर माधवन वकील नविल मेककिनले के किरदार में हैं, जो ब्रिटिश राज की ओर से कोर्ट में अक्षय का सामना करते हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, जिसका मतलब है कि फिल्म में ऐसे दृश्य हैं, जो केवल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के दर्शकों के देखने के लिए ही सही माने गए हैं। जानकारी के अनुसार, बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों में भी बदलाव किए। फिल्म की कुल लंबाई 2 घंटे, 16 मिनट है। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस, केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया ने किया है।

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला बोलीं- बदरीनाथ के पास मेरे नाम का मंदिर लोग करते हैं पूजा?

तीर्थ- पुरोहित समाज ने की निंदा, माफी नहीं मांगें नहीं तो होगा केस दर्ज

बदरीनाथ धाम के पास मेरे नाम का मंदिर है और श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं...यह कहना है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का। उनके इस विवादित बयान के बाद उत्तराखंड में बवाल मच गया। तीर्थ-पुरोहित समाज रौतेला के बयान की निंदा कर रहे हैं। अभिनेत्री रौतेला का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बयान को लेकर लोग कमेंट्स भी कर रहे हैं। अभिनेत्री रौतेला के बदरीनाथ धाम के पास उर्वशी मंदिर को अपने नाम का बताए जाने पर उत्तराखंड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने आपत्ति जताई है। महापंचायत ने चेतावनी दी है कि यदि रौतेला ने बयान वापस नहीं और माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। महापंचायत ने सरकार से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महापंचायत ने कहा कि उर्वशी मंदिर बदरीनाथ के पास स्थित है। यह इस क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी है। उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महापंचायत के प्रवक्ता ने कहा कि यह खेदजनक है कि कुछ लोगों द्वारा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं। इससे लोगों के बीच गलत संदेश जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर रही हैं, वह चाहती हैं कि उनके नाम पर दक्षिण भारत में भी मंदिर बने। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला ने साफ किया है कि उर्वशी यह कहना चाह रही थी कि बदरीनाथ में स्वर्ग की अप्सरा उर्वशी का एक मंदिर है, चूंकि उनका भी नाम उर्वशी है। इसलिए नाम मिलता जुलता है और उन्हें पहली बार ये जानकर अच्छा लगा था कि बदरीनाथ के पास उर्वशी का मंदिर है। मीरा ने कहा कि उर्वशी चाहती हैं कि दक्षिण फिल्मों में वह भी कुछ ऐसा काम करें जिससे उसका एक मंदिर दक्षिण में बने।

अदिति से हुई थी ट्रेन में छेड़छाड़, आहत करने वाला रहा पुलिस का बर्ताव

मुंबई। हाल ही में एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने अपने जीवन से जुड़ा एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह 11वीं कक्षा में पढ़ती थीं, तब एक बार मुंबई लोकल ट्रेन में उनके साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की, लेकिन जिस तरह का बर्ताव पुलिस ने उनके साथ किया, उसने उन्हें और भी ज्यादा आहत कर दिया। वेब सीरीज 'आश्रम' में पम्मी पहलवान का दमदार किरदार निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली अदिति ने बताया कि वह रोज की तरह फर्स्ट क्लास डिब्बे से सफर कर रही थीं, जिसमें स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर छात्रों को यात्रा की अनुमति होती है। उसी दौरान एक स्कूली लड़का डिब्बे में आया और अचानक उनके ब्रेस्ट को गलत तरीके से छू लिया। यह घटना इतनी असहज और चौंकाने वाली थी कि अदिति तुरंत अगले स्टेशन पर उतर गईं और पुलिस के पास पहुंचीं। उन्होंने महिला कांस्टेबल को पूरी घटना बताई, लेकिन पुलिस ने उनसे पूछा, कुछ ज्यादा हुआ है क्या? इस पर अदिति ने कहा, ज्यादा क्या चाहिए, मुझे मानसिक रूप से परेशान किया गया है। जब वो पुलिस के साथ वापस उस जगह पहुंचीं तो लड़का अब भी वहां खड़ा था और किसी और महिला के साथ वैसी ही हरकत की कोशिश कर रहा था। अदिति ने तुरंत इशारा करते हुए कहा कि यही लड़का है जिसने उनके साथ बदतमीजी की थी, लेकिन पुलिस ने उनसे पूछा, "क्या सबूत है तेरे पास?" इस पर अदिति ने गुस्से में खुद लड़के का कॉलर पकड़ लिया और चिल्लाईं, "और किसी के साथ करेगा? अब बोल इन सबके सामने।" तब जाकर वह लड़का डर के मारे सच बोल पड़ा। अदिति ने बताया कि इस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया था। उनका मानना है कि ऐसे मामलों में अक्सर पीड़िताओं को ही शक की नजर से देखा जाता है, जो और भी ज्यादा दर्दनाक होता है।

Congress targets BJP-JDU alliance in Bihar

Agency: Sounding the poll bugle in Bihar, Congress President Mallikarjun Kharge on Sunday launched a scathing attack on the BJP-JD(U) alliance in the state and called it opportunistic. He claimed that Chief Minister Nitish Kumar switches sides for 'kursi' (chair) only. Addressing the 'Jai Bapu, Jai Bhim, Jai Samvidhan' rally at the Dalsagar ground in Buxur, Kharge called on the voters to defeat the BJP and elect Mahagathbandhan to power this time. "The alliance between Nitish Kumar and the BJP is opportunistic. It is not good for the people of the state. Nitish Kumar switches sides just for 'kursi' (chief minister's post). The JD(U) chief has joined hands with the ideology that killed Mahatma Gandhi," the Congress president claimed. "Sometimes Nitish Kumar jumps the ship to join us. But when he is convinced that the BJP has better chances of winning, he again goes an sits in their lap," he added. The BJP and Nitishi Kumar's JD(U), as NDA alliance partners, will be taking on the Mahagathbandhan comprising the Congress, Lalu Prasad Yadav's Rashtriya Janata Dal (RJD) and Left parties in the upcoming state elections. Training guns at Prime Minister Narendra Modi, Kharge asked about the Rs 1.25 lakh crore package he promised for Bihar in 2015 and said that he was running a "factory of lies". "People of Bihar must ask Nitish Kumar what happened to Prime Minister Narendra Modi's promise of Rs 1.25 lakh crore package for Bihar, which he had made on August 18, 2015? Modi Ji is running a factory of lies," Kharge said. During the address, Mallikarjun Kharge raked up the Enforcement Directorate (ED) chargesheet filed against former Congress president Sonia Gandhi and Leader of Opposition (LoP) Rahul Gandhi in the National Herald case and said that it was a political witch hunt by the ruling dispensation. "This has been done to target Congress. Our leaders can't be scared. Indira Gandhi, Rajiv Gandhi sacrificed their lives for the country. Not even a dog of BJP people

had died," Kharge claimed. The Congress president also said that the BJP and the RSS were anti-poor and did not care about the welfare of the underprivileged. "They are against the poor, women, and the weaker sections of society. They (RSS-BJP) can't think for the betterment of society.

They believe in dividing society based on caste and religion", he claimed in an apparent reference to the recently enacted Waqf Act. "The Waqf (Amendment) Bill passed by Parliament is a conspiracy of the BJP and the RSS to create divide among communities," he alleged. The 243-member Bihar Legislative Assembly is scheduled to go to the polls later this year.

Delhi-US flights 10-15% cheaper this summer

Agency: Airfares to the US have dropped - a first in many summers - and is being described by many as the effect of US president Trump's policies. The most noticeable drop is for flights out of Mumbai, with the cheapest one-way ticket to New York, available on Saturday for travel around mid-May, priced as low as Rs 37,000 (see box). Although the cheapest return is priced at Rs 76,000, it involves a long transit halt at a Middle Eastern airport. However, for Rs 85,000, you can get a ticket via Delhi or London with a wait time of no more than four hours. Indians form the second-largest immigrant community in the US, but it is not only children flying back home to visit their parents or parents flying to and fro to see their children. India also sends the largest number of students to the US, making flights to the US in high demand throughout the year. In past years, airfares to fly between India and the US were high due to the skewed demand-supply dynamics. This summer, however, the scene has changed. For those with a valid visa, travelling to the US is now economical, at least as far as airfares are concerned.

"Summer marks the peak holiday season for Indian travellers, with schools closed and families, including multiple-generation families, travelling to popular long-haul destinations like the US. Interestingly, we're seeing a drop in airfares for travel from Delhi and Mumbai to key US cities during the April–June 2025 period, with average fares dropping by 5–8% compared to the same time last year," said Indiver Rastogi, President and Group Head, Global Business Travel, Thomas Cook (India) and SOTC Travel.

"Based on bookings made in January–February 2025, fares to San Francisco, New York, and Los Angeles averaged Rs 1.15 lakh—down from Rs 1.20–1.25 lakh in 2024. Similarly, fares to Boston, Orlando, and Michigan were around Rs 1.35 lakh, compared to Rs 1.40–1.45 lakh last year," he said. To fly out this month, the return fare approaches a lakh on flights with agreeable transit times at Middle Eastern airports. While these estimates are based on bookings done in the first two months of the year, the latest round of fares has shown a further decline.

"In the past few summers, airfares for travel to the US have been high throughout the year. After the pandemic, when India reopened its borders to international flights in March 2022, there was not much cheer for passengers flying to the US as the Russian invasion of Ukraine early that year brought on fresh problems for airlines and passengers. Avoiding Russian airspace meant flying a longer route, and US carriers pulled out the few flights they had from Mumbai and Delhi to US destinations," said an airline official. While some of the flights were restored in later years, the number of direct flights is still at an all-time low, he added.

Mini-bus collides with stationary Indigo aircraft at Bengaluru airport

Agency: A mini-bus collided with a stationary Indigo aircraft at the Kempegowda International Airport here, an airport official said on Sunday. The vehicle hit the 'undercarriage of the non-operational aircraft', the airport spokesperson said. However, no injuries were reported in the incident. "On April 18, 2025, at approximately 12:15 PM, a vehicle operated by a third-party ground handling agency made contact with the undercarriage of a non-operational Aircraft On-Ground at Kempegowda International Airport Bengaluru. There were no injuries reported," a statement read. "All

necessary protocols have been promptly followed in coordination with relevant stakeholders. The safety and security of our passengers, airline partners, and airport personnel remain our highest priority." The Indigo Airlines said, "We are aware of the ground incident at Bengaluru airport involving a parked IndiGo aircraft and a third party ground vehicle. All necessary action shall be initiated as required."

Gensol faces government inquiry after Rs 975 crore EV loan misuse: Sources

Agency: The Ministry of Corporate Affairs (MCA) has initiated a suo motu inquiry into Gensol Electric, following allegations of serious financial misconduct and regulatory violations, including the alleged misuse of Rs 975 crore in loans. Sources confirmed to Business Today TV that the ministry has begun examining the company's regulatory filings and financial records after the Securities and Exchange Board of India (Sebi) passed an interim order against Gensol's promoters. According to sources, the MCA's move is an independent action aimed at investigating potential corporate governance lapses and financial irregularities. There is no fixed timeline for the inquiry, but any action will depend on the findings that emerge from the ministry's ongoing review. The development comes days after Sebi barred Gensol Electric's promoters, Anmol Singh Jaggi and Puneet Singh Jaggi, from participating in the securities market and from holding any position as directors or key managerial personnel in any listed company. The capital markets regulator launched its action after receiving complaints related to share price manipulation and loan defaults. Sebi's interim order painted a damning picture of the company's financial practices, stating that the promoters had treated Gensol Electric "like their own piggy bank". The investigation found gross misuse and diversion of company funds, with the promoters directly benefiting from these financial irregularities. Gensol Electric had reportedly taken loans totalling Rs 975 crore from institutions such as the Indian Renewable Energy Development Agency (IREDA) and Power Finance Corporation (PFC) for the purchase of electric vehicles. However, only a small portion of these funds was actually used for that purpose. Instead, over Rs 200 crore was routed through a car dealership and ultimately transferred to entities associated with the promoters. Some of the misappropriated funds, Sebi found, were spent on personal acquisitions, including high-value real estate. The regulator also uncovered that fake documents were submitted to credit rating agencies in an attempt to falsely portray timely loan repayments. Even ring-fenced loans-funds that were supposed to be used strictly for business-specific activities-were allegedly redirected arbitrarily, raising questions about the company's internal financial controls. Sebi concluded that the promoter directors had been operating the publicly listed firm in a manner more befitting a privately-owned venture.

3 killed, over 100 rescued as cloudbursts, flash floods and landslips wreak havoc in J-K

Agency: Three people were killed and more than 100 rescued after heavy rain triggered flash floods at different places in Jammu and Kashmir's Ramban district early on Sunday, officials said. The incessant rain also triggered landslides and mudslides at nearly a dozen places between Nashri and Banihal along the strategic Jammu-Srinagar National Highway, prompting traffic to be suspended, they said. The officials said a cloudburst struck the Seri Bagna village of Ramban, resulting in the deaths of three persons, including brothers Aqib Ahmad and Mohd Saqib. The rescue operation in the village was continuing when the last reports were received, they said. With the latest fatalities, five people have lost their lives in rain-related incidents in the Jammu region in two days. Two people, including a woman, were killed and another woman injured when they were struck by lightning in the Arnas area of Reasi district late on Saturday. The officials said about 40 residential houses were damaged after a flash flood hit Dharam Kund village. Ten houses were fully damaged while the rest suffered partial damage. More than 100 trapped villagers were rescued by police personnel who rushed to the spot despite the continuous downpour and cloudbursts, they said and added several vehicles were swept away in the flood caused by a stream overflowing. A senior government official said there had been massive damage in the entire

district due to heavy rain, cloudbursts, high-velocity winds, landslides and hailstorms.

"We are monitoring the situation and an assessment will be carried out later to provide assistance to the affected population. Our priority at the moment is to safeguard lives," said the senior official, wishing not to be named. A traffic department spokesperson said vehicular movement on the Jammu-Srinagar National Highway was stopped from both sides due to landslides, mudslides and shooting stones at multiple places between Nashri and Banihal. He said the rain was continuing along the highway and commuters were advised not to travel on the arterial road till the weather improved and the road cleared. The officials said hundreds of commuters were left stranded on the 250-kilometre highway, the only all-weather road linking Kashmir with the rest of the country, following its closure. A stretch of the road near Panthiyal was also swept away, the officials said and added all the stranded people were moved to safety. They said Chief Minister Omar Abdullah had convened a meeting later in the day to assess the situation. Union Minister Jitendra Singh appreciated the district administration headed by Deputy Commissioner Baseer-ul-Haq Chaudhary for prompt action in saving precious lives.

"There was a heavy hailstorm, multiple landslides and fast winds throughout the night in the Ramban region, including the areas surrounding the Ramban town. The national highway stands blocked and unfortunately there have been three casualties and loss of property for a couple of families," he said in a post on X. "I am in constant touch with the deputy commissioner. The district administration deserves appreciation for timely and prompt action, which helped save several precious lives," he added. The Udhampur MP said every kind of relief-both financial and otherwise-was being provided. "The deputy commissioner has been conveyed that, if need be, whatever more is required, can be provided from the MP's personal resources as well. The request is not to panic. We shall all, together, overcome this natural calamity," Singh said.

Woman auto driver gang-raped at gunpoint by 2 men

Agency: A 36-year-old woman auto-rickshaw driver was gang-raped in Agra by two men who posed as army jawans. The accused promised the victim to help secure her daughter's admission to a military school, tricking her into meeting them. The incident came to light after the victim lodged a complaint, following which the police registered an FIR and launched an investigation. The police said that the accused are still on the run and special teams have been formed to catch them. The victim alleged that the two men boarded her auto-rickshaw and, during their conversation, claimed to be army personnel. They later convinced her that they could assist with her daughter's admission to a military school and called her to the hotel, where the assault took place. The victim said, "On Thursday, I

was called to a hotel, where I was raped at gunpoint. The accused threatened me, saying if I reported the incident, they would harm my daughter." The Rakabganj police station has filed an FIR against the accused, under Section 70(1) (gangrape) of the Bhartiya Nyaya Sanhita. Hemant Kumar, Additional Commissioner of Police, said, "We have filed the case and the investigation is ongoing." During the investigation, it was revealed that the accused were residents of Bulandshahar. A police team has been dispatched to Bulandshahar to nab the suspects. CCTV footage from the hotel and other crucial evidence are also being gathered.

No alliance yet, only emotional talk: Sanjay Raut on Thackerays patch-up buzz

Agency: Uddhav Sena MP Sanjay Raut on Sunday cleared the air about alliance talks between estranged cousins - Uddhav Thackeray and Raj Thackeray - and said that it was merely an emotional exchange between the two. "There is no alliance, only emotional talks are going on," Raut clarified, addressing the press. However, Raut did not completely shoot down the possibility of the two leaders joining hands on the political pitch and placed the onus on the two brothers for future alliance talks.

"Raj Thackeray and Uddhav Thackeray are brothers. We have been together for years. Our relationship has not broken... Both brothers will decide," Raut added. "We have accepted what Uddhav Ji said: for Maharashtra, if we need to come together, we will," Raut further said. Nearly two decades following their acrimonious dispute, Raj Thackeray on Saturday said that he is ready to bury the hatchet. Interacting with filmmaker Mahesh Manjrekar, the Maharashtra Navnirman Sena (MNS) chief said, "For me, the interest of Maharashtra is bigger while everything else is secondary I can keep aside our minor disputes." "I am ready to work with Uddhav (Thackeray) but the only question is whether he too is ready to work with me," he added. Moments later, Shiv Sena (Uddhav faction) chief Uddhav Thackeray reached out to his brother and said that he was also ready to set aside their differences and work towards the people of the state and Marathi language.

However, he urged Raj Thackeray to distance himself from "anti-Maharashtra" forces in a veiled dig at BJP. Echoing Uddhav Thackeray's sentiments, Raut today told reporters: "Uddhav Ji said that there are a few parties who claim to be well-wishers of Maharashtra, but they are the enemies of Maharashtra. They broke Bala Saheb's Shiv Sena to attack the pride of Maharashtra, and with such parties, we shouldn't have any relations, and then only we can be true Maharashtrians, and this is not a condition but the feelings of the people of Maharashtra." The reunion comes against the backdrop of a heated row that has erupted after the Devendra Fadnavis-led government announced plans to introduce Hindi as a compulsory third language for classes 1 to 5 as part of the National Education Policy (NEP), with many crying foul over Hindi imposition.

Hindu minister attacked during protest in Pakistan

Agency: A Hindu minister in Pakistan was attacked in Sindh by protesters opposing the government's irrigation canal projects in the country's southern province. The state minister for religious affairs, Kheal Das Kohistani, was driving through the province when protesters threw potatoes and tomatoes. Kohistani, a minister in the Prime Minister Shehbaz Sharif-led federal government, was unharmed in the attack in Thatta district in Sindh, a province which has a sizeable minority population, particularly Hindus. Sharif condemned the attack on Kohistani and assured him of a thorough probe into the incident. "The attack on public representatives is unacceptable. The persons involved in the incident would be given exemplary punishment," he said. The attack occurred when a group of people were protesting against the government's irrigation canal projects on the pretext that it would reduce the downward flow of rivers that are key for irrigation in Sindh.

Kohistani is a member of the ruling Pakistan Muslim League-Nawaz (PML-N) and the protesters also chanted slogans against the party's federal government. The federal government has announced a proposal to construct six canals in the Punjab province to irrigate land in the Cholistan region under the Green Pakistan Initiative - a project having the support of the powerful army, the federal government and the Punjab provincial administration. However, various parties and nationalist groups in Sindh have been protesting against the project with the plea that the canals would reduce the downstream flow of water and adversely affect irrigation in the southern province. The attackers were protesting against the proposed canals at the time of the incident. Federal Information Minister Atta Tarar sought details of the attack on Kohistani from Sindh Inspector General Police (IGP) Ghulam Nabi Memon and a report from the federal interior secretary. Sindh Chief Minister Syed Murad Ali Shah also condemned the attack and said that nobody had the right to take the law into their own hands. He directed the Deputy Inspector General of Police for the Hyderabad region to immediately arrest the attackers involved in the incident and submit a report on the same.

Kohistani, who belongs to Sindh's Jamshoro district, was first elected as an MP on a PML-N ticket in 2018. He was re-elected in 2024 after serving a full five-year term and also got the nod for elevation to become minister of the state.